मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 31 जुलाई 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण द्वितीया मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 317 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ कुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता

प्रियंशी यादव ने बताया कैन है उनका बड़ा गुरु ◂◂ 6

मिसिर बेसरा समेत 3 नक्सली पुलिस रिमांड पर

एनआईए,आईबी के साथ चार राज्यों की पुलिस करेगी पूछताछ

✔ तीन एके-47 राइफलें बरामद

संवाददाता

रांचीः प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के एक करोड़ रुपए के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा और उसके दो साथियों मोछू मुर्मू तथा गौरव उर्फ बिरेंद्र हांसदा को अदालत ने 14 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। गुरुवार को धनबाद पुलिस की ओर से दायर रिमांड आवेदन पर सुनवाई के बाद अदालत ने मंजूरी दी। अब पुलिस शुक्रवार से तीनों को औपचारिक रूप से रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ शुरू करेगी।

तीनों एक टाटा मैजिक वाहन से मोछू मुर्मू के घर जा रहे थेः तीनों माओवादियों को 28 जुलाई की देर शाम सुरक्षा बलों ने

बरवाअड्डा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, तीनों एक टाटा मैजिक वाहन से मोछू मुर्मू के घर जा रहे थे। गिरफ्तारी के समय तीन एके-47 राइफलें और अन्य हथियार-गोला-बारूद बरामद किए गए थे। सुरक्षा बल इसे झारखंड-बिहार में माओवादी नेटवर्क के खिलाफ हाल के वर्षों की सबसे बड़ी सफलता मान रहे हैं।

राष्ट्रीय एजेंसियां और चार राज्यों की पुलिस भी करेगी पूछताछः सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट के मुताबिक रिमांड के दौरान सिर्फ झारखंड पुलिस ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और अन्य केंद्रीय एजेंसियां भी पूछताछ करेंगी। जिला पुलिस ने संबंधित एजेंसियों और राज्यों को इसकी सूचना दे दी है। मिसिर बेसरा के नेटवर्क को देखते हुए बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ की पुलिस टीमें भी पूछताछ में शामिल होंगी।

14 दिन की रिमांड के दौरान जांच एजेंसियां माओवादी संगठन के लेवी सिंडिकेट, शहरी नेटवर्क और फंडिंग के स्रोतों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश करेंगी। गिरफ्तार नक्सलियों की निशानदेही पर सारंडा, पारसनाथ और बूढ़ा पहाड़ जैसे इलाकों में छिपाए गए हथियारों के जखीरे और बंकरों की तलाश में छापेमारी भी की जा सकती है। पुलिस के अनुसार, पोलित ब्यूरो के शीर्ष सदस्य रहे मिसिर बेसरा से पूछताछ के आधार पर संगठन के अन्य फरार शीर्ष माओवादी नेताओं के ठिकानों और उनकी रणनीति से जुड़े अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। साथ ही एनआईए और पड़ोसी राज्यों की पुलिस अपने-अपने राज्यों में दर्ज मामलों में तीनों की रिमांड या औपचारिक गिरफ्तारी की कानूनी प्रक्रिया भी आगे बढ़ाएगी।

तेज रफ्तार हाइवा ने युवक को रौंदा, मौत से आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

रामगढ़ : पतरातू के पीवीयूएनएल अस्पताल के सामने शुक्रवार की सुबह करीब 7 बजे सड़क हादसा हुआ। यहां एक तेज रफ्तार हाइवा ने युवक को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गयाछूरा के रूप में हुई है और वह पीवीयूएनएल के आईसीएच कैंटीन में कार्यरत था। गयाछूरा मूल रूप से टिकलागढ़ ओडिशा का रहने वाला था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गयाछूरा सुबह ड्यूटी पर जा रहा था, तभी पीवीयूएनएल अस्पताल के सामने तेज रफ्तार हाइवा ने उसे टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि वाहन युवक को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद हाइवा सहित चालक फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर गयाछूरा का भाई घटनास्थल पर पहुंचा और मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पतरातू थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को जब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की। इधर हादसे के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों और परिजनों ने सड़क जाम कर दिया और दोषी वाहन चालक की शीघ्र गिरफ्तार करने की व उचित कार्रवाई की मांग की।

हजारीबाग लैंड स्कैम के आरोपी आईएएस विनय चौबे को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची/नई दिल्लीः निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने हजारीबाग भूमि घोटाला (लैंड स्कैम) मामले में उनकी जमानत याचिका स्वीकार करते हुए उन्हें बेल प्रदान कर दी है। करीब एक वर्ष से अधिक समय से जेल में बंद विनय चौबे ने झारखंड हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम। पंचोली की खंडपीठ ने विनय चौबे की जमानत याचिका पर सुनवाई की और उन्हें राहत देते हुए जमानत मंजूर कर ली। इससे पहले 28 अप्रैल को झारखंड हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

यह मामला हजारीबाग जिले के चर्चित भूमि घोटाले से जुड़ा है। इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कांड संख्या 11/2025 दर्ज की थी। प्राथमिकी में विनय चौबे के अलावा उनके करीबी विनय सिंह, उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह, हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद, तत्कालीन अंचल अधिकारी (सीओ) शैलेश कुमार, ब्रोकर विजय सिंह समेत कुल 73 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद विनय चौबे के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, जिन अन्य मामलों में उन्हें आरोपी बनाया गया था, उनमें उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है। ऐसे में इस मामले में बेल मिलने के बाद उनकी रिहाई की प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है।

आज जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते से तीसरी बार पूछताछ

✔ जेपीएससी भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी, टीडीपीएल के ऑफिस में मिली कई ओएमआर शीट

संवाददाता

रांचीः आरोपियों के बयान और टीडीपीएल के कंप्यूटर से मिले डिजिटल साक्ष्यों के बाद जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल। ख्यांगते की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सीआईडी के अनुसार, पूछताछ में डेटा टेंपरिंग, ओएमआर शीट में हेराफेरी और अन्य अनियमितताओं से जुड़ी कई जानकारियां मिली हैं।

उनका पासपोर्ट भी जब्त कर विदेश यात्रा का ब्योरा खंगालना शुरू किया है। शुक्रवार को उन्हें तीसरी बार पूछताछ के लिए तलब किया गया है। उनकी गिरफ्तारी की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

21 जुलाई की शाम दिया था इस्तीफा

बताते चलें कि जेपीएससी कार्यालय में 21 जुलाई की शाम सीआईडी और रांची पुलिस की छापेमारी के बाद चेयरमैन एल ख्यांगते ने इस्तीफा दे दिया था। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 22 जुलाई को इस्तीफा मंजूर कर लिया था।

पीटी में चयनित अभ्यर्थी के पास नहीं मिली ओएमआर शीटः इधर, झारखंड लोक सेवा आयोग

अनुचित तरीके से परीक्षा उत्तीर्ण करने की बात स्वीकार की

गिरफ्तारी के दौरान सुमन सौरभ के पास से ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी नहीं मिली। सीआईडी का कहना है कि पूछताछ में आरोपी ने अनुचित तरीके से परीक्षा उत्तीर्ण करने की बात स्वीकार की है। सूत्रों के अनुसार जांच के दौरान सीआईडी को सबसे अहम सबूत परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसी टीडीपीएल के कार्यालय से मिला।

एजेंसी के दफ्तर से जब्त कंप्यूटर की फोरेंसिक जांच में पता चला कि उसमें जेपीएससी पीटी परीक्षा के प्रश्न और उत्तर पहले से स्टोर थे। ओएमआर शीट भी वहां से मिली। इससे संकेत मिलता है कि परीक्षा में सुनियोजित तरीके से सेटिंग और धांधली की तैयारी की गई थी।

(जेपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली की जांच आगे बढ़ने के साथ नए-नए खुलासे हो रहे हैं। गुरुवार को अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने हजारीबाग पुलिस की मदद से एक और अभ्यर्थी सुमन सौरभ को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोप है कि उसने झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा-2025 (विज्ञापन संख्या-01/2026) की प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) अनुचित माध्यमों का इस्तेमाल कर पास की थी। पूछताछ में उसने यह बात स्वीकार भी कर ली। इस गिरफ्तारी के साथ मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 11 हो गई है। कार्रवाई सीआईडी थाना कांड संख्या-16/2026 के तहत की गई है।

ट्रक ने स्कूटी सवार दंपती को कुचला, मौके पर दोनों की मौत, ट्रक चालक फरार

लोहरदगा: शहरी के बरवाटोली में शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों स्कूटी से अपने रिश्तेदार के घर सेरेंगहातु जा रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया, हालांकि पुलिस ने बाद में ट्रक को बीएस कॉलेज स्थित पुलिस पिकेट के पास से बरामद कर लिया। मौके से चालक फरार हो गया है। लोहरदगा सदर थाना क्षेत्र के कुरसे गांव निवासी इम्तियाज अंसारी के पुत्र 24 वर्षीय वारिश अंसारी अपनी पत्नी 21 वर्षीय सानिया खातून के साथ स्कूटी से सेरेंगहातु गांव स्थित अपने साढ़ू अली अंसारी के घर जा रहे थे। इसी दौरान बरवाटोली में साहू साइकिल के समीप एक ट्रक ने उनकी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। एक साल पहले हुई थी शादीः दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। बाद में पुलिस ने ट्रक को लोहरदगा-भंडरा रोड पर बीएस कॉलेज स्थित पुलिस पिकेट के पास से जब्त कर लिया। चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी है। दोनों की एक साल पहले ही शादी हुई थी और महिला गर्भवती थी। इस घटना से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दर्दनाक हादसे से कुरसे गांव सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर है। सड़क हादसे में युवा दंपती की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस

भिवंडी में 4 मंजिला इमारत ढही, 9 की मौत, कई मलबे में दबे

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार देर रात बड़ा हादसा हो गया, जब कोहिनूर नाम की चार मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय इमारत में मौजूद 8 से 10 लोग मलबे में दब गए थे। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल भिवंडी पुलिस, दमकल

विभाग और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पोकलेन मशीनों और आधुनिक उपकरणों की मदद से मलबा हटाकर फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रयास जारी है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इमारत में मरम्मत का काम चल रहा था। आरोप है कि मरम्मत के दौरान ठेकेदार और मजदूरों ने इमारत के तीन अहम पिलर तोड़ दिए, जिससे इसकी नींव कमजोर हो गई और पूरी इमारत अचानक ढह गई। हालांकि, प्रशासन ने अभी इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हादसे के बीच राहत की बात यह रही कि इमारत गिरने से कुछ देर पहले उसमें कंपन और असामान्य आवाजें सुनाई दी थीं। खतरे का अंदेशा होते ही अधिकांश निवासी समय रहते बाहर निकल आए, जिससे बड़ा जनहानि टल गई।

फिलहाल पहली मंजिल पर रहने वाले कुछ लोगों और मरम्मत कार्य में लगे मजदूरों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। जिला प्रशासन का कहना है कि सभी लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

न्यूज IN ब्रीफ

मोटरसाइकिल प्रशिक्षण 10 अगस्त से

मुरी : रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतरीन कौशल और बेहतरीन भविष्य के लिए रुडसेट संस्थान सिल्ली में 30 दिवसीय मोटरसाइकिल प्रशिक्षण आगामी 10 अगस्त से शुरूआत होने वाली है जो पूर्णतः निशुल्क होगा। रहने, खाने की व्यवस्था भी निशुल्क है। प्रशिक्षक अनुभवी और व्वहारिक, प्रयोगिक होगें। प्रमाण पत्र एनसीभीटी के होगे। यह प्रशिक्षण रोजगार उन्मुख होगा।

जेपीएससी मामले में दोषियों पर होगी कार्रवाई, अभ्यर्थियों को मिलेगा न्याय: जेएमएम

रांची : झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने 14वीं जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं की शिकायतों और इसे लेकर अभ्यर्थियों द्वारा किये जा रहे आंदोलन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर विषय है, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मामले की गंभीरता को संवेदनशीलता के साथ लेते हुए शिकायत प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जांच एजेंसी को तत्काल जेपीएससी कार्यालय भेजा गया, जहां मौजूद पदाधिकारियों को गिरफ्त में लिया गया और पूछताछ की जा रही है। इस मामले की गहन जांच जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार की सख्त कार्रवाई का ही परिणाम है कि जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष एल खियांग्ते ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वर्तमान में वे नियमित रूप से जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होकर जांच में सहयोग कर रहे हैं।

अभ्यर्थियों से अपील- राजनीति से दूर रहें, जांच में सहयोग करें

विनोद पांडेय ने कहा कि राज्य सरकार परीक्षा कानून के तहत दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। झामुमो का भी यह मानना है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो, दोषियों को कानून के अनुसार, कठोर से कठोर दंड मिले और अभ्यर्थियों को निश्चित रूप से न्याय मिले। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों और अभ्यर्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी मांगों को लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से उठाते रहें, लेकिन किसी भी परिस्थिति में राजनीति का हिस्सा न बनें। यदि किसी अभ्यर्थी के पास जेपीएससी परीक्षा से संबंधित कोई महत्वपूर्ण जानकारी या साक्ष्य है, तो उसे जांच एजेंसी को उपलब्ध कराएं, ताकि जांच निष्पक्ष, प्रभावी और शीघ्रता से पूरी की जा सके।

भाजपा पहले अपने शासनकाल का हिसाब दें: आलोक

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक दुबे ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा जेपीएससी और जेएसएससी के मुद्दे पर दिखायी जा रही सक्रियता राजनीतिक अवसरवाद का उदाहरण है। जिन नेताओं ने वर्षों तक झारखंड में सत्ता चलाई। आज वे युवाओं के सबसे बड़े हितैषी बनने का नाटक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्रियों को पहले अपने शासनकाल का हिसाब देना चाहिए।

युवाओं की मांग पर कांग्रेस को गंभीर होना चाहिए: बंधु तिर्की

वहीं, कांग्रेस नेता बंधु तिर्की ने पार्टी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से मुलाकात कर कहा है कि पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितता को लेकर युवा सड़क पर है। कांग्रेस को इन युवाओ की मांग पर गंभीर होना चाहिए। युवाओं को न्याय मिले, यह कांग्रेस की भी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर इस मामले में कार्रवाई का आग्रह करें।

सुंडी- शौंडिक महासंघ ने युवा व्यवसायी शुभम साहू की हत्या पर जताया शोक

राज्य सरकार से मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग

रांची : अखिल भारतीय सुंडी शौंडिक महासंघ ने लोहरदगा में युवा व्यवसायी शुभम साहू की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से मामले की न्यायिक जांच कराने, सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवरतन प्रसाद गुप्ता एवं राष्ट्रीय कार्यदल सदस्य बीरेंद्र साहु ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि लोहरदगा जिला सुंडी संघ के जिला अध्यक्ष रितेश साहु से मिली जानकारी के अनुसार 30 जुलाई की संध्या अपराधियों ने युवा व्यवसायी शुभम साहू की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना से समाज के साथ-साथ स्थानीय व्यवसायियों और आम नागरिकों में भय का माहौल है।

महासंघ के पदाधिकारियों ने दिवंगत शुभम साहू के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड सरकार एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन व्यवसायियों की सुरक्षा के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने मांग की कि इस हत्याकांड की न्यायिक जांच कराई जाए, सभी दोषियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर उन्हें कठोर से कठोर सजा दिलाई जाए।

महासंघ ने सरकार से मृतक के परिजनों को समुचित सुरक्षा, उचित आर्थिक मुआवजा एवं हरसंभव प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराने की भी मांग की। साथ ही कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए व्यवसायियों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जाना चाहिए।

इस अवसर पर अखिल भारतीय सुंडी शौंडिक महासंघ ने लोहरदगा जिला सुंडी शौंडिक समाज से आह्वान किया कि समाज के सभी लोग दुख की इस घड़ी में मृतक के परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहें और सामाजिक एकता का परिचय दें। महासंघ ने कहा कि समाज की एकजुटता ही पीड़ित परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करेगी।

झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में लिया गया फैसला

जेल में बंद आजीवन सजा काट रहे 26 कैदियों को किया जाएगा रिहा

संवाददाता

रांची : राज्य के जेलों में लंबे समय से बंद 26 कैदियों के बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुई झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में राज्य के विभिन्न जेलों में आजीवन सजा काट रहे 79 कैदियों के रिहाई से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई।

बैठक में राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा अनुशंसित 37 नए मामलों के साथ साथ पिछली बैठकों में रिहाई से संबंधित अस्वीकृत किए गए 42 मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, डीजीपी तदाशा मिश्रा, प्रधान सचिव सह परामर्शी विधि (न्याय) विभाग नीरज कुमार श्रीवास्तव, महानिरीक्षक कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं सुदर्शन प्रसाद मंडल और न्यायिक आयुक्त अनिल कुमार मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जेल में बंद 26 कैदियों के रिहाई का रास्ता साफः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा पर आजीवन सजा काट रहे 79 कैदियों

के रिहाई संबंधित प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार गहन विचार विमर्श किया। सीएम एवं अधिकारियों के बीच अनुशंसित सजायाफ्ता बंदियों के रिहाई से जुड़ी निर्धारित मानकों, पात्रता की शर्तों, आचरण, कारावास की अवधि तथा विधिक प्रावधानों, न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन पदाधिकारियों के मंतव्य सहित अन्य सभी पहलुओं पर गहनता पूर्वक समीक्षा की। जिसके बाद 26 कैदियों की रिहाई पर सहमति दी गई।

सभी प्रमंडल में खुलेंगे ओपन जेलः बैठक में सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य के सभी प्रमंडलों में ओपन जेल खोलने के संबंध में भूमि चिन्हितीकरण एवं प्रस्ताव समर्पित करने का निर्देश अधिकारियों को दिए। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा अनुशंसा के आलोक में विभिन्न कारागारों से रिहाई के पश्चात ऐसे व्यक्तियों के पुनर्वास, सामाजिक पुनर्स्थापन एवं सम्मानजनक जीवन-यापन के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किए जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न्याय व्यवस्था के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं और सुधारात्मक दृष्टिकोण को भी समान महत्व देती है। मुख्यमंत्री ने मानसिक रूप से बीमार बंदी जो कारागार में संस्मित हैं अथवा कारामुक्त हो चुके हैं, उनका डाटा बेस तैयार कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत प्रावधानों का लाभ प्रदान किए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि जेल से रिहा हुए व्यक्तियों को कानून एवं नियमों के अनुरूप पुनः समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए। इससे न केवल उनके जीवन में नई शुरूआत का मार्ग प्रशस्त होगा, बल्कि समाज में पुनर्वास और सामाजिक समरसता को भी बल मिलेगा।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी से मिले चंद्र प्रकाश चौधरी

झारखंड के विस्थापितों के अधिकारों व पुनर्वास का उठाया मामला

विभिन्न कोयला परियोजनाओं के लिए हजारों एकड़ भूमि अधिग्रहित की गई है, जिससे लाखों लोग विस्थापित हुए हैं

मेट्रो रेज

रांची/ नई दिल्ली : गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी से मुलाकात कर झारखंड के कोयला क्षेत्रों में वर्षों से लंबित विस्थापन, पुनर्वास एवं मुआवजा से जुड़े गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की तथा इस संबंध में एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी चौधरी ने केंद्रीय मंत्री इस बात से अवगत कराया कि झारखंड के कथारा, करगली, ढोरी सहित विभिन्न कोयला परियोजनाओं के लिए हजारों एकड़ भूमि अधिग्रहित की गई है, जिससे लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। इसके बावजूद आज भी बड़ी संख्या में विस्थापित

परिवार पुनर्वास, मुआवजा एवं अन्य वैधानिक अधिकारों से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर बनाई गई पुनर्वास नीतियों तथा राष्ट्रीय पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान इस ओर भी आकर्षित किया कि वर्ष 2024 में झारखंड के सात कोयला प्रभावित जिलों में अंशकालिक जिला स्तरीय ट्रिब्यूनल गठित करने का निर्णय लिया गया था, किंतु आज तक वे प्रभावी रूप से कार्यशील नहीं हो सके हैं। उन्होंने झारखंड के विस्थापितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम ,1957 के अंतर्गत राज्य में पूर्णकालिक ट्रिब्यूनल की स्थापना का आग्रह किया।

केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने सांसद द्वारा उठाए गए सभी विषयों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित मामलों की समीक्षा कर आवश्यक एवं सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी भी मौजूद थे।

रेलवे भर्ती परीक्षा के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

तीन अगस्त से शुरू होगा एग्जाम

संवाददाता

रांची : रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने सीइएन 09/2025 लेवल-1 कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना बनायी है। इसके लिए रांची रेल डिविजन से रेल मुख्यालय गार्डेनरीच को प्रस्ताव भेजा गया है।

तीन चरणों में होगी परीक्षाः परीक्षा 3 से 6 अगस्त, 9 से 14 अगस्त और 17 से 21 अगस्त तक विभिन्न चरणों में होगी। रांची, जमशेदपुर, धनबाद, और राउरकेला जैसे प्रमुख शहरों में परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। इन शहरों में सैकड़ों अभ्यर्थियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए ट्रेनों के परिचालन और यात्रियों की भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की बात कही गयी है।

जरूरत पड़ने पर चलेंगी स्पेशल ट्रेनें : रांची में प्रतिदिन लगभग 8250 अभ्यर्थी, बोकारो में 690, जमशेदपुर में 1635, धनबाद में

2805, डालटनगंज में 660 और राउरकेला में 1920 अभ्यर्थियों के पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। रेलवे ने कहा कि जहां भी जरूरत होगी अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन, कोचों की उपलब्धता और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था की जायेगी। परीक्षा केंद्रों तक जाने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा गया है। वहीं, इस बाबत डीआरएम करुणानिधि सिंह ने कहा कि परीक्षा को लेकर जो भी आवश्यकता होगी, उसे पूरा किया जायेगा। स्पेशल ट्रेन के लिए प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा गया है।

त्वचा के अनुकूल मेंस्ट्रुअल प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग

डॉक्टरों ने सामग्री पर ध्यान देने की दी सलाह

संवाददाता

नई दिल्ली : महिलाओं की मासिक धर्म (पीरियड्स) से जुड़ी देखभाल अब केवल अधिक अवशोषण और लीकेज से सुरक्षा तक सीमित नहीं रह गई है। स्त्री रोग विशेषज्ञ (गाइनकोलॉजिस्ट) अब महिलाओं को सलाह दे रहे हैं कि वे उन सामग्री और घटकों पर भी ध्यान दें जो लंबे समय तक त्वचा के संपर्क में रहते हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि डमेटीलॉजिकल टेस्टेड, सांस लेने योग्य सामग्री और बिना कृत्रिम सुगंध वाले सैनिटरी पैड्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। साथ ही, वनस्पति तत्वों से युक्त नए उत्पाद भी महिलाओं का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए), गाजियाबाद की अध्यक्ष डॉ। अल्पना कंसल ने कहा,महिलाएं अपने प्रजनन जीवन का लगभग एक-चौथाई समय मासिक धर्म में बिताती हैं। इसलिए ऐसे सैनिटरी पैड चुनना जरूरी है जो न केवल अच्छी तरह अवशोषित करें बल्कि त्वचा के लिए भी सुरक्षित और आरामदायक हों। सांस लेने योग्य सामग्री और मोरिंगा जैसे त्वचा-अनुकूल तत्वों वाले पैड लंबे समय तक इस्तेमाल के दौरान अधिक आराम दे सकते हैं। हालांकि, समय-समय पर पैड बदलना और अच्छी मासिक धर्म स्वच्छता बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है।

मोरिंगा युक्त सैनिटरी पैड्स का नया चलनः हाल के वर्षों में सैनिटरी पैड्स में मोरिंगा ओलिफेरा (सहजन/ड्रमस्टिक) के अर्क का उपयोग एक नई पहल के रूप में सामने आया है। आयुर्वेद में लंबे समय से उपयोग किए जाने वाले मोरिंगा में कई विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट और अन्य लाभकारी पौधों के यौगिक पाए जाते हैं।

2024 में प्रकाशित फोरेनटीयर्स इन फार्माकोलॉजी की एक समीक्षा के अनुसार, मोरिंगा में कैरोटेनॉइड्स, टोकोफेरॉल्स, फ्लेवोनॉइड्स, फेनोलिक एसिड्स और विभिन्न विटामिन मौजूद होते हैं। अध्ययन में इसके एंटीऑक्सीडेंट, सूजन-रोधी और रोगाणुरोधी गुणों का उल्लेख किया गया है।

हालांकि मोरिंगा का उपयोग पहले मुख्य रूप से आहार पूरक के रूप में किया जाता था, लेकिन अब कुछ निमार्ता इसे सैनिटरी पैड्स की ऊपरी परत में शामिल कर रहे हैं ताकि त्वचा की बेहतर देखभाल के साथ उच्च गुणवत्ता वाली अवशोषण क्षमता भी मिल सके।

स्वच्छता का कोई विकल्प नहींः डॉक्टरों का कहना है कि कोई भी विशेष सामग्री या प्राकृतिक तत्व अच्छी मासिक धर्म स्वच्छता का विकल्प नहीं हो सकता।

डॉ। अल्पना कंसल ने कहा, वनस्पति आधारित सामग्री वाले उत्पाद त्वचा को अतिरिक्त आराम दे सकते हैं, लेकिन समय पर पैड बदलना, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना और लगातार जलन या असामान्य लक्षण होने पर डॉक्टर से सलाह लेना ही मासिक धर्म स्वास्थ्य की सबसे महत्वपूर्ण बातें हैं।

सांस लेने योग्य और बिना खुशबू वाले पैड्स की बढ़ती मांगः विशेषज्ञों के अनुसार, आजकल महिलाएं ऐसे ब्रीदएबल सैनिटरी पैड्स को प्राथमिकता दे रही हैं जो नमी और गर्मी को कम महसूस होने देते हैं, खासकर गर्म मौसम या शारीरिक गतिविधियों के दौरान।

इसके अलावा, कृत्रिम सुगंध से मुक्त सैनिटरी पैड्स भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं क्योंकि कई महिलाओं में सुगंध वाले उत्पाद त्वचा में जलन या एलर्जी पैदा कर सकते हैं।

क्लाउडनाइन हॉस्पिटल, दिल्ली की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ। ऋचा सिंघल ने कहा,

आज की महिलाएं व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले घटकों के प्रति पहले से अधिक जागरूक हो रही हैं। केवल पैड के आकार या अवशोषण क्षमता पर ध्यान देने के बजाय उसके लेबल को भी पढ़ना चाहिए। डमेटीलॉजिकल टेस्टेड, अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री, मोरिंगा जैसे तत्वों, सांस लेने योग्य संरचना और बिना अनावश्यक सुगंध वाले पैड संवेदनशील त्वचा वाली महिलाओं में असुविधा के जोखिम को कम कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी सलाह दी कि इंटिमेट एरिया की सफाई के लिए तेज या कठोर साबुन का उपयोग न करें। यदि आवश्यकता हो तो केवल ऐसे उत्पादों का इस्तेमाल करें जो बाहरी निजी अंगों के प्राकृतिक पीएच संतुलन को बनाए रखने के लिए बनाए गए हों।

पारदर्शिता और जागरूकता की ओर बढ़ता कदमः स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मेंस्ट्रुअल केयर उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले घटकों के बारे में पारदर्शिता की बढ़ती मांग महिलाओं की बदलती सोच को दशार्ती है। अब उपभोक्ता केवल प्रदर्शन ही नहीं बल्कि त्वचा की सुरक्षा, आराम और स्वास्थ्य को भी समान महत्व दे रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में पौधों पर आधारित और त्वचा के अनुकूल सामग्री वाले मेंस्ट्रुअल उत्पादों में और अधिक नवाचार देखने को मिल सकते हैं। हालांकि वे इस बात पर जोर देते हैं कि सही जानकारी के आधार पर उत्पादों का चयन करना और अच्छी मासिक धर्म स्वच्छता बनाए रखना ही स्वस्थ मासिक धर्म का सबसे महत्वपूर्ण आधार है।

हाईकोर्ट ने मधुकम में अतिक्रमण हटाने का आदेश लिया वापस

प्रार्थी पर लगाया 12 लाख जुर्माना

12 पीड़ितों को 1-1 लाख देगा प्रार्थी

मेट्रो रेज

रांची : महादेव उरांव की अवमानना याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुना दिया है। मामले में कोर्ट ने रिट याचिका में प्रार्थी के पक्ष में सुनाए गए एकल पीठ के उस आदेश को वापस ले लिया है, जिसमें सीओ को रातू रोड स्थित मधुकम से अतिक्रमण हटाने से संबंधित कार्रवाई का आदेश दिया था।

कोर्ट ने कहा कि प्रार्थी ने रिट याचिका में प्रतिवादियों की ओर से दिए गए एक करोड़ की राशि के बारे में बात छिपाई थी। साथ ही उन्हें रिट याचिका में प्रतिवादी भी नहीं बनाया था। महादेव उरांव की ओर से दायर अवमानना याचिका पर फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राजेश शंकर की कोर्ट ने प्रार्थी पर 12 लाख का जुर्माना लगाया है।

जुर्माना के रूप में प्रार्थी 12 प्रतिवादी (पीड़ितों) को 1-1 लाख रुपए देगा। कोर्ट ने कहा कि प्रार्थी ने शपथ पत्र में झूठे तथ्य दिए हैं और कोर्ट को गुमराह किया है। हस्तक्षेपकर्ताओं से पैसे लेनदेन की बात छिपाई है। हस्तक्षेपकर्ता की ओर से अधिवक्ता सचिन कुमार एवं अधिवक्ता गौरव राज ने पक्ष रखा।

दरअसल जिला प्रशासन ने खादगड़ा शिव-दुर्गा मंदिर रोड स्थित मुंडारी प्रकृति की जमीन पर बने 12 घरों को तोड़ने का आदेश दिया था। इसके तहत बुलडोजर की कार्रवाई शुरू की गई थी, जिसका स्थानीय निवासी विरोध कर रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना था कि उन्होंने प्रतिकट्ठा 5.25 लाख रुपये के हिसाब से भुगतान कर जमीन खरीदी है और यहां घर बनाकर वर्षों से रह रहे हैं।

लोगों का आरोप है कि 38.25 डिसमिल जमीन के लिए उन्होंने कुल भुगतान लगभग 1 करोड़ 8 लाख 93 हजार 750 रुपये किया गया था, लेकिन अब उन्हें बेदखल किया जा रहा है।

करमटोली तालाब के सामने बने दर्जनों मकानों पर चला बुलडोजर

पीएम आवास मिलने के बावजूद अवैध कब्जा

रांची : रांची नगर निगम की टीम लगातार अवैध कब्जे पर बुलडोजर की कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को करमटोली तालाब के सामने अवैध रूप से बने दर्जनों मकानों को हटाया गया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहे। बुलडोजर कार्रवाई शुरू होने से प्रशासन की मौजूदगी में लोगों को मकान खाली कराया गया। इसके बाद नगर निगम की टीम ने बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण ध्वस्त किया।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई, वे प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुक हैं। उन्हें पहले ही सरकार की ओर से आवास आवंटित किया जा चुका है। इसके बावजूद वे करमटोली तालाब के पास अवैध रूप से एस्बेस्टस की छत वाले मकान बनाकर वर्षों से रह रहे थे।

अधिकारियों के अनुसार, अतिक्रमणकारियों को पहले ही नोटिस देकर जगह खाली करने का निर्देश दिया गया था। निर्धारित समय बीतने के बाद शुक्रवार को पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी की गई।

युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है सरकारः अमर बाउरी

संवाददाता

रांचीः झारखंड की कांग्रेस समर्थित सरकार युवाओं के भविष्य को हैक कर अपनी तिजोरी भर रही। जिस तरह से झारखंड में जेपीएससी जेएसएससी सीजीएल उत्पाद सिपाही, जूनियर इंजीनियर जैसे परीक्षा में गड़बड़ी हुई है उसको देखते हुए कांग्रेस को सरकार से अपना समर्थन वापस लेना चाहिए और सीएम को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। उक्त बातें प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को बताया कि परीक्षा लीक मामले के रोकने के लिए लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी बिल पास कर दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ना सिर्फ देश की समस्या को समझते है बल्कि उसका समाधान भी करते है। लेकिन झारखंड में जब से कांग्रेस समर्थित हेमंत सोरेन की सरकार आई है तब से नौकरी बेचने का काम किया जा रहा है। जूनियर इंजीनियर की परीक्षा में गड़बड़ी, जीपीएससी की परीक्षा में गड़बड़ी, उत्पाद सिपाही में 13 छात्रों की मौत, जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा में गड़बड़ी देखी गयी है। फिर भी सरकार प्रतिबंधित कंपनी को ही सारी परीक्षाओं को करवाने का टेंडर दिया।

प्रदेश महामंत्री ने कहा कि सरकार ना सिर्फ परीक्षा में गड़बड़ी कर रही बल्कि जेपीएससी जेएसएससी जैसे संस्था में अपने लोगों के परिजनों को स्थान दे रही। जिनका खामियाजा युवाओं को भुगतना पड़ रहा है। संस्था में बैठे लोग अपने परिजनों को परीक्षा में पास करवा कर सरकारी नौकरी दे रहे हैं। लेकिन अब युवा इन सब गड़बड़ियों को देखते हुए सड़क पर उतर गई है और निष्पक्ष जांच की मांग कर रही है।

अमर कुमार बाउरी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू के दिशा निर्देश पर जब भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने 22 जुलाई को जेपीएससी घेराव किया तो आनन-फानन में सरकार ने सीआईडी जांच का आदेश दे दिया। कई गिरफ्तारियां हुई, जेपीएससी के अध्यक्ष ने अपना इस्तीफा दिया, लेकिन बावजूद सरकार सीआईडी के माध्यम से जांच को अलग मोड देने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की मांग है कि जिस तरह से नीट परीक्षा मामले में सभी विपक्षी दल एकजुट होकर युवाओं के माध्यम से केंद्र सरकार पर दबाव बनाकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा था आज उन्ही विपक्षी दल झारखंड की सरकार में है और ऐसे में नैतिकता के आधार पर हेमंत सोरेन को अपना इस्तीफा दे देना चाहिए।

प्रदेश महामंत्री ने सरकार से मांग किया कि इस सभी परीक्षाओं की जांच सीबीआई से करवाए और जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। साथ ही नैतिकता के आधार पर मुख्यमंत्री चुकी वे शिक्षा मंत्री भी है, इसलिए अपना इस्तीफा सौपे अन्यथा युवा सड़क से लेकर सदन तक सरकार के खिलाफ आवाज उठाने को बाध्य होगी।

वहीं उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू के निर्देश पर आज सभी मंडलों में मसाल जुलूस निकाला जाएगा और कल भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की ओर से सभी जिलों में धरना दिया जाएगा। ताकि सरकार के कानों तक युवाओं की बात पहुंच्हे और छात्रों के साथ न्याय हो।

आज के संवाददाता सम्मेलन में मीडिया सह प्रभारी अजय राय, प्रवक्ता दीनदयाल बर्णवाल, रमाकांत महतो, रविनाथ किशोर उपस्थित रहे।

भर्ती परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में झारखंड के बीजेपी सांसदों का संसद में मौन प्रदर्शन

- मामले की सीबीआई जांच की मांग

संवाददाता

रांची/नई दिल्लीः झारखंड में भर्ती परीक्षाओं जिनमें जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल शामिल हैं में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में झारखंड के भाजपा सांसदों ने शुक्रवार को संसद में मौन प्रदर्शन किया। उन्होंने इन मामलों की सीबीआई जांच की मांग की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू भी मौजूद रहें। इससे पहले बुधवार को झारखंड के भाजपा सांसदों ने संसद परिसर स्थित मकर द्वार पर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की थी। सांसदों ने जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल और उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में कथित धांधली की सीबीआई जांच की मांग की।

राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कांग्रेस पर छात्रों के मुद्दे पर दोहरी राजनीति करने का आरोप लगाया। कहा दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों को भड़का रही है जबकि झारखंड के जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल सहित अन्य भर्ती परीक्षा घोटाला पर उनकी जुबान पर ताला लगा है।

अगर कांग्रेस सही में छात्रों के मुद्दे पर गंभीर है तो वह सरकार से अपना समर्थन वापस लेकर उनके इस्तीफा की मांग करें। उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में तो झारखंड के 19 बच्चों की मौत हो गई थी लेकिन कांग्रेस चुप रही।

चाकू से किया हमला

रांचीः राजधानी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र के कसाई मार्केट के पास बुधवार रात मामूली विवाद में एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी उस पर ईंट-पत्थर से भी हमला कर फरार हो गया। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ लोअर बाजार थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है।

चिप्स देने से इनकार पर चाकू से हमलाः पुलिस को दी शिकायत में आजाद वस्ती रोड निवासी 26 वर्षीय इजमाम कुरैशी ने बताया कि वह दुकान से चिप्स खरीदने गया था। इसी दौरान मुहल्ला डोम टोली निवासी लाडला कुरैशी ने चिप्स मांगी। एक बार चिप्स देने के बाद जब आरोपी ने फिर से चिप्स मांगी, तो उसने मना कर दिया। इससे नाराज होकर आरोपी उसे कसाई मार्केट के अंदर ले गया और चाकू से चेहरे व नाक पर हमला कर दिया। ईंट-पत्थर से भी वार किये, जिससे इजमाम गंभीर रूप से घायल हो गया।

आंदोलन बाधित करने मामले में कथित कोचिंग संचालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

रांचीः झारखंड कर्मचारी चयन आयोग एवं झारखंड लोक सेवा आयोग की नियुक्ति परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं एवं धांधली का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। अनुसंधान एजेंसियों के समक्ष ओएमआर कोड में कथित गड़बड़ी स्वीकार किए जाने के बाद विवादित अभ्यर्थी सौरभ सुमन को पुलिस हिरासत में लिए जाने की सूचना के बीच अभ्यर्थियों का आंदोलन भी तेज हो गया है।

इसी क्रम में बीते बुधवार राजधानी रांची में छात्रों द्वारा आयोजित तिरंगा पदयात्रा के सफल आयोजन के बाद सत्याग्रह धरना को बाधित करने के प्रयासों की शिकायत सामने आई है। सत्याग्रही अभ्यर्थी राम अवतार महतो ने कथित कोचिंग संचालक कुणाल प्रताप सिंह के विरुद्ध शांतिपूर्ण सत्याग्रह धरना में व्यवधान उत्पन्न करने, धमकी देने एवं अपशब्द कहने के आरोप में कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

साथ ही, धरना पर बैठे अभ्यर्थियों ने अपनी सुरक्षा को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी से समुचित सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि अभ्यर्थी राम अवतार महतो द्वारा प्रशासन को विधिवत सूचना देने के उपरांत 25 जुलाई से सत्याग्रह धरना प्रारंभ किया गया है।

प्रशासनिक निदेशों के अनुरूप धरना स्थल को बापू वाटिका, मोरहाबादी से स्थानांतरित कर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में संचालित किया जा रहा है।

गुरुवार को दिए गए आवेदन में राम अवतार महतो ने उल्लेख किया है कि धरना स्थल परिवर्तन के बाद से उन्हें लगातार आंदोलन समाप्त करने की धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच करते हुए दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई तथा आंदोलनरत अभ्यर्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

एचएम पब्लिक स्कूल के छात्रों ने मनाया हरियाली दिवस

संवाददाता

रांचीः एचएम पब्लिक स्कूल चुटिया और एचएम प्ले स्कूल, द्वारिकापुरी के वर्ग प्री नर्सरी से प्रेप तक के बच्चों ने काफी धूमधाम से हरियाली दिवस मनाया। जिसमें सभी बच्चे हरे रंग के बिरंगी पोषाक पहन कर विद्यालय आये साथ ही अपने साइज से बड़ी- बड़ी हरी सब्जी और फल बना कर लाये। उसे भी पहन कर पेड़- पौधों का महत्व समझाया। आज दोनों विद्यालय को हरे रंगों से सजाया गया। सभी बच्चे करेला, परवल, मिर्च, पौधा, पेड़, भिंडी, तरबूज, अंगूर,फूलगोभी, बंधगोभी, गाजर, सहित कई तरह के फूल बना कर लाये। विद्यालय के बच्चों द्वारा हरी पत्तियों से जानवर, घर, फूल,मछली, नदी मोर आदि डिजाइन भी बनाया। विद्यालय की निदेशक पूनम और संयुक्ता द्वारा हमारे जीवन में पेड़ का क्या महत्व है इसके बारे विस्तृत रूप से बताया। उन्होंने कहा कि पेड़ के पत्तियों से ही हमें ऑक्सीजन मिलता है, अभी वायु प्रदूषण बहुत बढ़ रहा है इसलिए पेड़ लगाने से ज्यादा उनको बचाना जरूरी है। संयुक्ता मैम ने बतलाया कि हरी सब्जी खाने से प्रोटीन, आयरन, विटामिन सहित कई तरह के मिलरल मिलता है जिससे हमारे शरीर को ताकत मिलता है। अपूर्व शशांक के अगुआई में बच्चों के द्वारा 200 से अधिक पेड़ लगाया गया। विदित हो कि यह कार्यक्रम विद्यालय में प्रति वर्ष मनाया जाता है। इस हरियाली दिवस में बच्चों के अभिभावकों द्वारा किया गया सहयोग सराहनीय रहा । विद्यालय के शिक्षक मीना कुमारी , कल्पना, शोभा, जोशी, अपूर्वा, ओनिमा, प्ले स्कूल की सुप्रभा, मनीषा, जया, काजल, ज्योति, रीना सहित सभी शिक्षकों का योगदान रहा।

राज्यसभा में उठी सीआईपी को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित करने की मांग

- सांसद डॉ। प्रदीप कुमार वर्मा ने संसद के पृथक अधिनियम द्वारा सीआईपी को वैधानिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करने का किया आग्रह

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची/ नई दिल्लीः राज्यसभा सांसद डॉ। प्रदीप कुमार वर्मा ने आज राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान झारखंड की राजधानी राची स्थित केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान–सीआईपी को संसद के पृथक अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान घोषित किए जाने की आवश्यकता का विषय प्रमुखता से उठाया।

डॉ। वर्मा ने सदन के माध्यम से केंद्र सरकार का ध्यान इस विषय की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि वर्ष 1918 में स्थापित सीआईपी देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों में से एक है। यह संस्थान मानसिक रोगों के उपचार के साथ-साथ मनोचिकित्सा, नैदानिक मनोविज्ञान, मनोचिकित्सीय सामाजिक कार्य, नर्सिंग, पुनर्वास, तंत्रिका विज्ञान तथा जन-मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में दीर्घकाल से महत्त्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि 108 वर्ष पुराना यह संस्थान प्रत्येक वर्ष 1,17,000 से अधिक रोगियों का उपचार करता है, जिनमें लगभग 80 प्रतिशत रोगी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित हैं।

डॉ। वर्मा ने देश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित करते हुए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की एक्सीडेंटल डेथस एंड सुसाइड इन इंडिया 2024 रिपोर्ट का उल्लेख किया। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में देश में कुल 1,70,746 आत्महत्याएं दर्ज की गईं।

पेशागत श्रेणियों में 52,910 दिहाड़ी मजदूर, 22,113 गृहिणियाँ, 17,886 स्वरोजगार से जुड़े व्यक्ति, 16,905 पेशेवर एवं वेतनभोगी व्यक्ति, 14,778 बेरोजगार, 14,488 विद्यार्थी, 12,811 निजी क्षेत्र के कर्मचारी, 11,015 व्यवसाय से जुड़े व्यक्ति तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े 10,546 व्यक्ति शामिल थे।

उन्होंने कहा कि ये आँकड़े दर्शाते हैं कि आत्महत्या की समस्या विद्यार्थियों, श्रमिकों, किसानों, बेरोजगारों, कर्मचारियों, गृहिणियों और स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों सहित समाज के विविध वर्गों को प्रभावित कर रही है। अतः देश में सुलभ, विशिष्ट और संस्थागत मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की तत्काल आवश्यकता है।

डॉ। वर्मा ने सदन को अवगत कराया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी विभागीय संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 148वीं रिपोर्ट– मेंटल हेल्थ केयर एंड इट्स मैनेजमेंट इन कन्टेंप्रोररी टाइम्स में सीआईपी, राँची को राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान घोषित किए जाने की स्पष्ट अनुशंसा की है। राज्यसभा में 8 दिसंबर 2023 को विशेष उल्लेख के माध्यम से भी यह माँग उठाई जा चुकी है।

उन्होंने केंद्रीय बजट 2026-27 में राँची और तेजपुर स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को क्षेत्रीय शीर्ष संस्थानों के रूप में उन्नत करने की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि यह घोषणा सीआईपी को वैधानिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ने का उपयुक्त अवसर देती है।

भूमि से संबंधित अभिलेखों का उल्लेख करते हुए डॉ। वर्मा ने कहा कि वर्तमान अभिलेखीय विवरण के अनुसार केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, राँची के अधीन लगभग 229।29 एकड़ तथा राँची तंत्रिका मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान के अधीन लगभग 322।94 एकड़ भूमि उपलब्ध बताई गई है। इस प्रकार दोनों संस्थानों के अधीन वर्तमान में उपलब्ध भूमि का संयुक्त क्षेत्रफल 552।23 एकड़ है।

उन्होंने कहा कि गजट एवं पुराने भूमि-अभिलेखों में दर्ज कुल 891।532 एकड़ भूमि और वर्तमान में दोनों संस्थानों के अधीन उपलब्ध 552।23 एकड़ भूमि के बीच 339।302 एकड़ का अंतर परिलक्षित होता है। इस अंतर वाली भूमि की वर्तमान राजस्व स्थिति, स्वामित्व, हस्तांतरण एवं वास्तविक कब्जे की स्वतंत्र जाँच आवश्यक है।

डॉ। वर्मा ने कहा कि संसद ने पूर्व में भी पृथक केंद्रीय कानून बनाकर महत्त्वपूर्ण चिकित्सा संस्थानों को राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान घोषित किया है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका-विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु–निमहांस को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका-विज्ञान संस्थान, बंगलौर अधिनियम, 2012–निमहांस अधिनियम, 2012 तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956–एम्स अधिनियम, 1956 द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया है।

बाद में स्थापित अन्य अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों को भी उक्त अधिनियम में किए गए संशोधनों के माध्यम से यह दर्जा प्रदान किया गया है। अतः केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान, राँची के संबंध में भी इसी प्रकार की विधायी पहल संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से पूर्णतः उपयुक्त होगी।

राज्यसभा सांसद डॉ। प्रदीप कुमार वर्मा ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान, राँची को संसद के पृथक अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान घोषित करने तथा उसे मानसिक स्वास्थ्य, तंत्रिका विज्ञान, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं रोगी देखभाल के क्षेत्र में आवश्यक वैधानिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करने हेतु समयबद्ध कार्रवाई की जाए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला

"अति अल्पकालीन निविदा आमत्रंण सूचना"

संख्या –09/2026–27

1. विभाग का नाम :– भवन निर्माण विभाग।
2. विज्ञापनदाता का पद नाम :– कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय :– दिनांक 06.08.2026 को अपराह्न 01:00 बजे तक।
4. मुहरबंद निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 07.08.2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक।
5. मुहरबंद निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 07.08.2026 को अपराह्न 3:30 बजे से।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान:–1. कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, गुमला।
   2. सहायक अभियंता का कार्यालय, भवन अवर प्रमंडल सं.–01, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, गुमला।
8. कार्य की विवरणी :–

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	Construction of PCC Path in the Primesis of Deaf and Dumb School Silam, Gumla	5,94,600.00	12000.00	1250.00	4 माह

कार्यपालक अभियंता,
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमण्डल,गुमला।

PR.NO.386280 Building(26-27):D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बाघों की घटती आबादी पर विराम की चुनौती अभी भी बरकरार?

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' को मनाने का मुख्य मकसद विश्व भर में तेजी से घटती बाघों की आबादी को रोकने एवं उनके संरक्षण के प्रति समूची दुनिया को जागरूक करना होता है। आज का दिन जंगल की शान कहे जाने वाले बाघों के लिए समर्पित है। सालाना ये दिन 29 जुलाई को पूरे संसार में मनाया जाता है। शुरूआत रूस स्थित ह्यपीटरर्सबर्ग टाइगर संरक्षण शिखर सम्मेलनह्न के दौरान वर्ष-2010 में की गई थी। विश्व में बाघों की संख्या करीब 78 फीसदी तक घट चुकी है। गनीमत है कि भारत बाघों के मामले में अभी भी टॉप पर है। वैश्विक स्तर के आंकड़ों पर गौर करें, तो अनुमानित, बाघों की संख्या पूरे विश्व में लगभग 5,500 के बीच है। इनमें से 72 प्रतिशत आबादी अकेले हिंदुस्तान में ही है। 2022 बाघ जनगणना में भारतीय जंगलों और टाइगर रिजर्व में 3,682 जंगली बाघ थे, इनमें पिछले दो वर्षों में इजाफा ठीक ठाक हुआ। 'ग्लोबल टागईर दिवस-2025' की थीम थी, 'हमारे हाथों में हैं बाघों का संरक्षण'।

बाघ आबादी में भारत के अलावा दूसरे पायदान पर रूस है। अखिल भारतीय बाघ जनगणना-2022 में बाघों की जितनी संख्या बताई गई थी, उनमें अब 12 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। हालांकि, संपूर्ण संख्या अगली गणना में ही सामने आएगी। बाघ संरक्षण की दिशा में बीते कुछ वर्षों से सराहनीय प्रयास हुए हैं। बाघों का सर्वेक्षण आधुनिक तकनीकों से किया जाने लगा है। प्रत्येक टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में कैमरे लगवाए गए हैं, ताकि उनकी मुकम्मल आबादी का पता चल सके और उनकी चहलकदमी पर नजर रखी जा सके। पिछली बाघ जनगणना के दौरान मध्यप्रदेश के शिवपुरी में एकाध बाघ दिखे, तो केंद्र सरकार ने 9 मार्च 2025 को उस जगह को 58 वां टाइगर रिजर्व स्थापित कर दिया जिसका नाम ह्यमाधव राष्ट्रीय उधानह्न रखा गया। यह प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व है।

गौरतलब है कि भारत में बाघों की गणना प्रत्येक 5 साल बाद की जाती है पिछली गणना 2022 में हुई थी, अगली गणना मार्च-2027 में करवाने का प्रस्ताव पारित है। बाघों की आबादी जितनी होनी चाहिए, उतनी है नहीं? बाघ संरक्षण पर केंद्र सरकार सालाना करीब 250 से 290 करोड़ रूपए खर्च करती है। वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर में रखे गए प्रत्येक बाघ पर साल में 20 लाख से ज्यादा खर्च होता है। आजादी से पूर्व 100 साल पहले यानी 1926 के आसपास में हिंदुस्तान बाघों की आबादी सर्वाधिक एक लाख से भी अधिक हुआ करती थी, जो घटती-घटती आज कुछ हजारों तक ही सिमट गई। उत्तराखंड स्थित सिर्फ जिम कॉर्बेट में ही हजारों बाघ पाए जाते थे। हालांकि, सर्वाधिक संख्या आज भी वहीं है। पिछली गणना में 231 बाघ बताए गए थे। इस समय मध्यप्रदेश में 785, कर्नाटक में 524, बाघ हैं।

बाघों के लुप्त होते कारणों में आवासों की कमी, वन-विखंडन, अवैध शिकार, मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसे मुख्य वजहें हैं। अगर ये रूक जाएं, तो बाघों की संख्या एकाएक बढ़ जाएगी। एशिया के कुछ देश ऐसे हैं जहां बाघ पूरी तरह से विलुप्त हो गए हैं उनमें, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं। कुछ मुल्क विलुप्ति की कगार पर हैं। बाघों का अवैध शिकार समूचे संसार में तेजी से जारी है। होता क्यों है? ये भी जानना जरूरी है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बाघों के अंगों की सदैव से भारी डिमांड रही है जिनमें एशियाई बाघों की सबसे ज्यादा। बाघ संरक्षण क्षेत्रों में और सख्तियां बरतने की जरूरत है। कानूनों को कठोर और जुमार्ने का भारी भरकम प्रावधान किए जाने की दरकार है। ताकि, कोई भी नुकसान पहुंचाने से पहले सौ बार सोचे। पिछले एक वर्ष में विभिन्न राज्यों में करीब 75 लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई, कईयों को जेल भी हुई। नरसिंहपुर, बालाघाट और बांधवगढ़ में बाघों के अवैध शिकार व अंगों की तस्करी मामलों मार्च 2025 में एक साथ दर्जनों शिकारियों की अरेस्टिंग हुई थी। आरोपियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972 के तहत कार्रवाही की जाती है जिसमें 3 से 7 साल की कैद का प्रावधान है। इसे रिफॉर्म किए जाने की अब जरूरत है।

मालूम हो, कि जंगली बाघ हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के सामंजस्य को बनाए रखने में हमेशा से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए हैं। भारत में टाइगरों के संरक्षण के लिए केंद्रीय और राज्य स्तरों पर विभिन्न अभियान बीते एकाध दशकों से जारी हैं। इन अभियानों के निरंतर चलते रहने से ही भारत में इस समय 58 टाइगर रिजर्व स्थापित हैं। ये बाघ रिजर्व 19 राज्यों में फैले हैं। सर्वाधिक टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में हैं। करीब 30 पहले भारत में बाघों की आबादी अचानक से घटनी शुरू हुई, तो सरकार ने ह्यटाइगर टास्क फोर्सह्न का गठन किया। जिसकी रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 1 जुलाई 1973 को ह्यप्रोजेक्टर टाइगरह्न आरंभ करके घटती बाघों की आबादी को किसी तरह रोकना शुरू किया। इस प्रयोग से जबरदस्त फायदा भी हुआ।

बाघ संरक्षण निर्भर प्रजाति है। बाघों के संरक्षण में उनके रहने के निवास यानी अभयारण्यी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। पर, इन जगहों पर लगातार बढ़ती शिकारियों की आमदगी ने उनकी शांत जिंदगी में खलल पहुंचा दिया है। शिकारी ज्यादातर बाघ अभयारण्यों के ईद-गिर्द घात लगाए बैठे होते हैं। बाघ को देखते ही उसका शिकार कर देते हैं। कई बार खबरें ऐसी भी आई कि शिकारियों का साथ वन्य कर्मी भी देते है। ऐसे गंभीर आरोप में कर्नाटक के कई वन्य कर्मी पकड़े भी गऐ। इस सिंडिकेट को किसी भी तरह से रोके जाने की दरकार है। अगर नहीं रोका गया हुआ, तो भारत वैश्विक स्तर पर बाघ आबादी का पहला पायदान खो देगा।

प्रधानमंत्री मोदी का खादी आह्वान हर घर पहुंचना ही चाहिए !

भारत में खादी का इतिहास स्वतंत्रता, स्वाभिमान और आर्थिक आत्मनिर्भरता की कहानी कहता है। जब अंग्रेजी मिलों के कपड़ों ने भारतीय बुनकरों की आजीविका छीन ली थी, तब महात्मा गांधी ने चरखे को स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक बनाया। उनके लिए खादी स्वदेशी, श्रम, समानता और आत्मनिर्भरता का दर्शन थी।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मैं विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा, वह है ह्यखादी। हम सभी जानते हैं कि खादी महात्मा गांधी को बहुत प्रिय थी। बीते कुछ वर्षों में ह्यखादीह्न काफी लोकप्रिय हुई है। पिछले 12 वर्षों में इसकी बिक्री 6 गुना बढ़ी है। बिक्री का यह आंकड़ा अब 8,000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुका है। मेरा आप सभी से आग्रह है कि आने वाले त्योहार में ह्यखादीह्न का कोई-न-कोई, हैंडलूम का कोई-न-कोई, हैंडीक्राफ्ट का कोई-न-कोई प्रोडक्ट जरूर खरीदें।ह्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मन की बात (136वां एपिसोड)। वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खादी, हैंडलूम और हस्तशिल्प उत्पादों को खरीदने का आज का आह्वान यहां सिर्फ खादी पहनने का संदेश होने तक सीमित न होकर गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, पारंपरिक भारतीय कौशल को वैश्विक पहचान दिलाने और ₹आत्मनिर्भर भारत₹ के संकल्प को जन-आंदोलन में बदलने का प्रयास है। यदि देश के 140 करोड़ से अधिक नागरिक वर्ष में एक बार भी खादी अथवा किसी स्थानीय कारीगर का उत्पाद खरीदें, तो यह करोड़ों ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्थायी आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। निश्चित ही आज प्रधानमंत्री के इस आह्वान को हर घर समझना होगा।

खादी राष्ट्र निर्माण का विचार है

भारत में खादी का इतिहास स्वतंत्रता, स्वाभिमान और आर्थिक आत्मनिर्भरता की कहानी कहता है। जब अंग्रेजी मिलों के कपड़ों ने भारतीय बुनकरों की आजीविका छीन ली थी, तब महात्मा गांधी ने चरखे को स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक बनाया। उनके लिए खादी स्वदेशी, श्रम, समानता और आत्मनिर्भरता का दर्शन थी। चरखे की आवाज ने गांव-गांव में आत्मविश्वास जगाया और विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार को जनआंदोलन बना दिया, इसलिए जब भारत पूर्ण स्वतंत्र हुआ, तब इस परंपरा को संगठित स्वरूप देने के लिए वर्ष 1956 में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की स्थापना की गई।

यदि हम दूर नहीं जाएं , मोदी कार्यकाल को ही देखें तो प्रधानमंत्री मोदी ने ₹खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन₹ का मंत्र देकर इसे नई पीढ़ी से जोड़ा है। जिसके परिणामस्वरूप खादी, कुर्तों एवं अन्य सीमित दायरों से निकलकर डिजाइनर परिधान, जैकेट, साड़ियां, शर्ट, बैग, फुटवियर और अनेक आधुनिक उत्पादों के रूप में वैश्विक बाजार तक पहुंची है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दिखाई देता है। खेती के बाद गांवों में रोजगार के अवसर सीमित होते हैं, ऐसे में खादी और ग्रामोद्योग करोड़ों परिवारों की आजीविका का आधार बने हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले दशक में इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की संख्या लगभग 1.30 करोड़ से बढ़कर 2.04 करोड़ से अधिक हो चुकी है। खादी और वस्त्र उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार ने अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं भी शुरू की हैं। ह्यपीएम मित्रह्न के तहत विश्वस्तरीय एकीकृत टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जा रहे हैं, जिनसे लाखों रोजगार सृजित होने की संभावना है। समर्थ योजना युवाओं और महिलाओं को आधुनिक कौशल प्रशिक्षण देकर उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर रही है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के माध्यम से ग्रामीण युवाओं और उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए बैंक ऋण और सरकारी सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं ह्यस्फूर्ति) योजना पारंपरिक उद्योगों के क्लस्टर विकसित कर उन्हें आधुनिक तकनीक, बेहतर पैकेजिंग और वैश्विक बाजार से जोड़ रही है। इन पहलों ने खादी को आज विरासत से आगे भविष्य की अर्थव्यवस्था का सशक्त माध्यम बना दिया है। जिसमें कि कहना होगा, इस क्षेत्र की सबसे बड़ी शक्ति महिलाएं हैं। वस्तुतः कताई कार्य में 80 प्रतिशत से अधिक भागीदारी महिलाओं की है। सौर चरखे, स्वयं सहायता समूहों और आधुनिक प्रशिक्षण ने ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी बनाया है। आज हजारों महिलाएं अपने गांव में ही सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति के साथ-साथ उनका सामाजिक सम्मान भी बढ़ा है। आज प्रधानमंत्री का त्योहारों के अवसर पर खादी खरीदने का आग्रह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी शहर में खरीदा गया एक खादी का कुर्ता या हस्तशिल्प का उत्पाद सीधे किसी ग्रामीण कारीगर के घर तक आय पहुंचाता है। यह आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल है, जो लाखों भारतवासियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाता है। यहां सभी को यह भी समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी का उक्त संदेश, सिर्फ आर्थिक दृष्टि से ही महत्व नहीं रखता है, इसके साथ ही यह सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब कोई नागरिक विदेशी ब्रांड के बजाय किसी स्थानीय बुनकर का बुना कपड़ा, किसी हस्तशिल्पी का बनाया उत्पाद या किसी ग्रामीण महिला द्वारा तैयार सामग्री खरीदता है, तब वह किसी परिवार की आजीविका, किसी गांव की अर्थव्यवस्था और भारत की सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करता है। अंत में यही कहना होगा कि आज जब दुनिया पर्यावरण-अनुकूल और स्थानीय उत्पादों की ओर लौट रही है, तब भारत के पास खादी के रूप में ऐसा मॉडल मौजूद है, जिसमें रोजगार, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण विकास और सांस्कृतिक गौरव, सभी एक साथ जुड़े हुए हैं, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात'में किया गया यह आह्वान वास्तव में एक ऐसा राष्ट्रीय अभियान है, जिसे हर घर अनुसरण करना चाहिए। यदि प्रत्येक भारतीय त्योहारों और विशेष अवसरों पर खादी, हैंडलूम और हस्तशिल्प उत्पादों को प्राथमिकता देने का संकल्प ले, तो यह निश्चित ही देश के लाखों कारीगरों के जीवन में नई आशा, नई समृद्धि और नए आत्मविश्वास का संचार करेगा।

कुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता

नीतियों और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन प्रशासन तंत्र द्वारा ही होता है। नौकरशाही और प्रशासनिक तंत्र में जड़ता है। जिम्मेदार अधिकारी भी अपने कर्तव्यों के निर्वाहन में जनता से दूरी बनाए रखते हैं। देश में अधिकारी तंत्र और जनप्रतिनिधियों के मध्य अच्छे सम्बंध नहीं हैं। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक तंत्र में तनाव रहता है।

हृदयनारायण दीक्षित

प्रशासन तंत्र लोक कल्याणकारी कामों का लाभ आमजनों तक ले जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशासन तंत्र को सक्रिय किया है। प्रधानमंत्री नीति व निर्णयों में तेज रफ्तार गतिशील हैं। वे सारी कार्य संस्कृति बदल रहे हैं। आखिरकार सभी सुधारों का अंतिम उपकरण प्रशासन तंत्र है। नीतियों और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन प्रशासन तंत्र द्वारा ही होता है। नौकरशाही और प्रशासनिक तंत्र में जड़ता है। जिम्मेदार अधिकारी भी अपने कर्तव्यों के निर्वाहन में जनता से दूरी बनाए रखते हैं। देश में अधिकारी तंत्र और जनप्रतिनिधियों के मध्य अच्छे सम्बंध नहीं हैं। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक तंत्र में तनाव रहता है। मारपीट की नौबत तक आ जाती है। आदर्श लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है। सो उत्कृष्ट, निष्ठावान और कार्यकुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारे संविधान तंत्र में सरकारें संसद व विधानमण्डलों के सामने जवाबदेह हैं। जनप्रतिनिधि भी प्रत्येक 5 वर्ष के बाद आम जनता के समक्ष होते हैं। लेकिन प्रशासन तंत्र की कोई जवाबदेही नहीं। प्रशासन तंत्र संवेदनहीन और निष्क्रिय है और सरकारें सक्रिय। भारतीय प्रशासन का इतिहास पुराना है। प्राचीन प्रशासन की प्रशंसा फाहयान ने भी ह्यशासन प्रबंध सुव्यवस्थित, उदार व सौम्यह्न बताकर की है। मौर्यकाल (340 ई0पूर्व) में भी सुगठित राष्ट्रनिष्ठ शासन तंत्र था। कौटिल्य के ह्यअर्थशास्त्रह्न में प्रशासन तंत्र का खूबसूरत विवरण है। सिंधु घाटी सभ्यता (2200 ई0पूर्व से 1750 ई0पूर्व तक) के प्रशासन को ह्वीलर व पिगाट जैसे विद्वानों ने भी सुगठित बताया है। उत्तर वैदिक काल व वैदिक काल का प्रशासन समाज के साथ एकताबद्ध और उत्तरदायी था। अंग्रेजी शासकों ने अपने साम्राज्य को मजबूत करने का प्रशासन तंत्र बनाया था। अंग्रेज सरकारों ने भी प्रशासनिक सुधारों के लिए कई आयोग बनाए थे। प्रशासन ही सत्ता चलाने का उपकरण था। वे स्वाभाविक ही प्रशासनिक सुधारों पर सजग थे लेकिन स्वतंत्र भारत में लम्बे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने प्रशासनिक सुधारों पर कोई ठोस काम नहीं किया। प्रशासन परम स्वतंत्र होने की स्थिति का उपभोग करता आया है।

भारतीय संविधान की उद्देशिका व नीति निदेशक तत्व सरकार व प्रशासन तंत्र के मार्गदशक हैं। वे सुस्थापित विधि नहीं बल्कि सरकार व प्रशासन के कामकाज की आत्मा है। प्रशासन तंत्र इन सूत्रों से नहीं जुड़ता। स्वतंत्र भारत (1951) में प्रशासन की कार्यशैली पर एन0डी0 गोरेवाला की रिपोर्ट ह्यलोक प्रशासन पर प्रतिवेदनह्न नाम से आई। रिपोर्ट के अनुसार ह्यकोई भी लोकतंत्र स्पष्ट, कुशल व निष्पक्ष प्रशासन के अभाव में सफल नियोजन नहीं कर सकता।ह्न इस रिपोर्ट में अनेक उपयोगी सुझाव थे लेकिन क्रियान्वयन नहीं हुआ। 1952 में केन्द्र ने प्रशासनिक सुधारों पर विचार करने के लिए पाल एपिलबी की नियुक्ति की। उन्होंने पूरे देश का भ्रमण किया और ह्यलोक प्रशासन सर्वेक्षण का प्रतिवेदनह्न प्रस्तुत किया। रिपोर्ट में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव थे। लेकिन जड़ता नहीं टूटी। स्वाधीनता के 19 बरस बाद पहला प्रशासनिक सुधार आयोग (1966) बना। मोरारजी देसाई अध्यक्ष थे, वे मंत्री हो गए। आयोग ने हनुमंतैया की अध्यक्षता में काम बढ़ाया। आयोग का पहला प्रतिवेदन ह्यनागरिकों की व्यथा दूर करने की समस्याह्न शीर्षक से 20 अक्टूबर 1966 में आया। प्रशासन बनाम आमजन की व्यथा से पूरा देश पीड़ित है लेकिन इस महत्वपूर्ण बिन्दु की उपेक्षा हुई। आयोग ने केन्द्रीय प्रशासन व राज्य प्रशासन पर अलग-अलग सुझाव दिये। रिपोर्ट में आर्थिक नियोजन को आर्थिक प्रशासन के रूप में पहचानने के भी उल्लेख थे। प्रशासन का रूप-रंग और कार्य व्यवहार जस का तस बना रहा। पहले प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट (1970) के 35 साल बाद सितम्बर 2005 में वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग बना। मोइली ने 2009 में पद त्यागा। इस आयोग ने भी केन्द्रीय प्रशासन के ढांचे के साथ राज्य प्रशासन पर भी सिफारिशें की। जिला प्रशासन को सक्षम बनाने की भी महत्वपूर्ण संस्तुतियां की। इस रिपोर्ट में आतंकवाद की चुनौती पर भी सुझाव थे। मनरेगा के क्रियान्वयन की भी शल्य परीक्षा थी। समूची रिपोर्ट पर मंत्रियों के समूह को विचार का काम सौंपा गया। आयोग की सिफारिशों के अंत में कहा गया था ह्यसरकार के दृष्टिकोण में आवंटन आधारित विकास कार्यक्रमों से पात्रता आधारित विकास कार्यक्रमों की ओर अन्तरण हुआ है। सभी क्षेत्रों में विकास पर जोर है। केन्द्रीय बजट बढ़ा है। इस सबके कारण संस्थागत प्रशासनिक व वित्तीय प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण जरूरी है।ह्न यहां विकास के सभी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक प्रबंधन पर जोर है। लेकिन असली दिक्कत दूसरी है। सभी कार्यक्रमों को अंतिम परिणिति तक पहुंचाने वाले प्रशासन तंत्र की प्रथम वरीयता परिणाम देना नहीं अपितु अपनी सेवा सुरक्षा है।

संविधान विशेषज्ञ मंत्रिपरिषद को अस्थाई और प्रशासन को स्थाई सरकार कहते हैं। यह उचित भी है। सरकार का कार्यकाल पांच वर्ष है और प्रशासन का कार्यकाल सतत चलता है। लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की शक्ति प्रशासन में निहित है। सरकारें पेयजल की समस्या पर बजट देती हैं। व्यवस्था प्रशासन के हाथ में है। बजट का बड़ा भाग प्रायः खर्च नहीं हुआ। प्रशासन तंत्र चाहता तो खर्च हो जाता। योजनाएं बनती हैं, क्रियान्वित नहीं होती। योजना की प्राक्कलन राशि बढ़ती जाती है। उत्तरदायित्व किसका? तमाम बैंक अधिकारियों ने बेरोजगारो को टाल दिया। कई राज्यों में प्रशासन का राजनैतिकरण हुआ है। कुछेक प्रशासनिक अधिकारी सत्तादल के कार्यकर्ता जैसा आचरण करते हैं। आईएएस अधिकारियों के एक समागम में एक अधिकारी ने दूसरे से पूछा ह्यपार्टनर! आपके जिले की जनसंख्या क्या है?ह्न अगले ने कहा ह्यओनली ऐट सिर्फ आठ।ह्न पहले ने पूछा ह्यकुछ समझ में नहीं आया।ह्न अगले ने कहा ह्यआठ नेता सीएम से मिलते हैं। यही जनसंख्या है। इन्हीं को सेट रखना हमारी प्राथमिकता है।ह्न बेशक यह मजाक है लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं। केन्द्र की नीति और नीयत की प्रशंसा हो रही है। नीति और नीयत को क्रियान्वित करने वाला मुख्य उपकरण प्रशासन है। प्रशासन को नये आर्थिक सुधारों के क्रियान्वयन का सक्रिय उपकरण बनाना ही होगा। इसी तरह समाज कल्याण से जुड़ी योजनाओं, कृषि, स्वरोजगार व गरीबी से संघर्ष के काम में ढिलाई करने वाले प्रशासन तंत्र की मनोदशा में बदलाव जरूरी है। प्रशासनिक सुधार आयोगच की सिफारिशें उपयोगी हैं। भारत की नई चुनौतियों के बरक्स प्रशासन के सामने भी चुनौतियों का नया स्वरूप आया है।

कनाडा में अद्भुत नजारा, शिवार्पणम मंदिर में स्थापित हैं 450 शिवलिंग,

भारत देश में तमाम प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कनाडा में एक ऐसा मंदिर है, जहां पर 1-2 नहीं बल्कि पूरे 450 शिवलिंग हैं। यह स्थल आपके मन को शांति से भर देगा। कनाडा में स्थित भगवान शिव को समर्पित यह शिवर्पणम मंदिर है। इस मंदिर में 450 शिवलिंग हैं। ऐसे में अगर आप भी कनाडा घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको इस मंदिर के दर्शन जरूर करना चाहिए। यह एक बेहद शांत और सुंदर मंदिर है। तो आइए जानते हैं इस मंदिर की खासियत के बारे में...

450 शिवलिंगों वाला मंदिर

वैसे तो कनाडा में कई हिंदू मंदिर हैं। लेकिन इनमें छिपा हुआ रत्न शिवर्पणम मंदिर है। यह मंदिर मॉन्ट ट्रेम्बलेंट क्षेत्र में स्थित है। टोरंटो से यहां पहुंचने में 6 घंटे का समय और मॉन्ट्रियल से एक घंटे का समय लगता है। यह मंदिर पहाड़ों और ताजी हवा से घिरा हुआ है। ऐसा नजारा आपको अन्य देशों में देखने को नहीं मिलेगा।

मंदिर की विशेषता

इस मंदिर की विशेषता यह है कि इसमें काले पत्थर से निर्मित 450 शिवलिंग हैं। यह शिवलिंग मंदिर परिसर में करीने से स्थापित हैं। केंद्र में विशाल शिवलिंग है और एक छोटा फव्वारा भी हैं। यह फव्वारा चारों और पानी छिड़कता है। इससे स्थान का जादुई वातावरण और भी बढ़ जाता है। शिवलिंग के अलावा यहां पर काले पत्थर से निर्मित भगवान शिव की एक मूर्ति और नंदी बैल की मूर्ति है।

आध्यात्मिक यात्रा के लिए

शिवर्पणम मंदिर के अलावा कनाडा के होप शहर में आशा महाकालेश्वर मंदिर है। इस स्थान की स्थापना शर्मिला नारायण ने की थी। यहां 8 फुट ऊंचा शिवलिंग औक 1008 छोटे शिवलिंग हैं। मंदिर में गौशाला भी है।

दो प्रमुख भगवान शिव मंदिरों और अन्य कई हिंदू मंदिरों के साथ, कनाडा हिंदू भक्तों के लिए भी एक आध्यात्मिक यात्रा के लिए एकदम सही जगह है।

ऐसे में अगर आप भी अपने परिवार या दोस्तों के साथ कनाडा घूमने का प्लान बना रहे हैं। तो आपको इन शांत और खूबसूरत जगहों पर जाना चाहिए।

टिप्स

हाई बीपी साइलेंट किलर बन रहा है उच्च रक्तचाप

आजकल युवा लोगों में भी बीपी और शुगर की दिक्कतें देखने को मिलती हैं। तनाव से भरी लाइफस्टाइल में हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर? काफी आम हो गया है। इसके पीछे तनाव, तला-भुना खाना, ज्यादा नमक का सेवन, फिजिकल एक्टिविटी की कमी या मोटापा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आजकल हाई बीपी आम हो गया है। इसके शुरूआती लक्षण भी नजर नहीं आते हैं। लंबे समय तक बीपी का हाई या लो रहने का असर शरीर के कई अंगों पर देखने को मिलता है।

ऐसे में ब्लड प्रेशर को नॉर्मल रेंज में रखना जरूरी है। अगर आपका बीपी भी हाई रहता है, तो आपको दवाओं के साथ-साथ डाइट और लाइफस्टाइल में भी कुछ बदलाव करना चाहिए। इससे आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ब्लड प्रेश? कंट्रोल में करने के लिए लाइफस्टाइल में क्या-क्या बदलाव करने चाहिए।

लाइफस्टाइल में करें ये बदलाव

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो ब्लड प्रेशर को मैनेज करने के लिए जितना जरूरी दवाएं लेना है। उतना ही जरूरी लाइफस्टाइल और डाइट में बदलाव भी है। आप डॉक्टर की सलाह पर नियमित दवाई लें, लेकिन साथ ही कुछ अन्य बातों का भी ध्यान रखें।

आपको बैलेंस डाइट लेनी है। दिन में 5 से 6 ग्राम से ज्यादा नमक का सेवन न करें। सब्जियां, फल, लीन मीट्स, साबुत अनाज और डैश डाइट का पैटर्न फॉलो करना चाहिए। वहीं प्रोसेस्ड फूड्स या ज्यादा तले-भुने खाने से दूर रहें।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए डाइट के साथ-साथ एक्सरसाइज भी अहम भूमिका निभाता है। आप ब्रिस्क वॉकिंग, साइकिलिंग और कार्डियोवैस्कुलर एक्टिविटीज जरूर करें। वहीं सप्ताह में 2 बार एक्सरसाइज जरूर करें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

7 और 8 अगस्त को जमशेदपुर में आजसू युवा सम्मेलन : चतुरानंद

साहिबगंज : आजसू पार्टी युवा मोर्चा का मिलन समारोह मंडरो प्रखंड स्थित श्रीरामचौकी में आयोजित किया गया। मिलन समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा आजसू के जिला अध्यक्ष अंकेश कुमार यादव ने किया समारोह का संचालन जिला उपाध्यक्ष मणिकांत मिश्रा ने किया।मिलन समारोह मे आजसू के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पाण्डेय मुख्य रूप से शामिल हुए।जिसमे युवा मोर्चा के सैंकड़ो युवाओं ने आजसू की नीति सिद्धांत को मानते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया।वही जिला अध्यक्ष चतुरानंद पाण्डेय ने बताया कि 7 एवं 8 अगस्त 2026 को जमशेदपुर मे आजसू युवा सम्मेलन होने जा रहा है।जिसमे साहिबगंज जिला से सैंकड़ो आजसू कार्यकर्ता शामिल होंगे।मिलन समारोह में मुख्य रूप से पार्टी के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे,विकास कुमार शाह, गोविंद पासवान राजेश राय, नवनियुक्त आजसू युवा मोर्चा के अजीत कुमार यादव,चंदन कुमार दास,किशोर कुमार मंडल विनय कुमार मंडल,मिथुन कुमार राय,राजेश कुमार राय,बृजेश कुमार दास, छोटेलाल हासदा,दीपक हासदा, किशोर कुमार मंडल,नारायण सिंह, राहुल सिंह,मोहम्मद राजा,गनौरी मंडल,सूरज पासवान शशिकांत मिश्रा,नवीन प्रजापति,भगवान गुप्ता, सूरज महतो,जय महतो,पीयूष सिंह, संतोष सिंह,लाल बिहारी यादव, मोहम्मद जावेद,मोहम्मद शाहरुख, सहित कई कार्यकर्त शामिल थे।

सुरेंद्र यादव को तत्काल प्रभाव से पार्टी से किया गया निष्कासित

साहिबगंज : झारखंड मुक्ति मोर्चा की केंद्रीय समिति ने संगठनात्मक अनुशासनहीनता के आरोप में साहिबगंज जिले के सुरेंद्र यादव को पार्टी के सभी पदों एवं प्राथमिक सदस्यता से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है।केंद्रीय समिति के महासचिव विनोद कुमार पांडेय द्वारा 30 जुलाई 2026 को जारी कार्यालय आदेश में कहा गया है कि साहिबगंज जिला समिति की अनुशंसा और विभिन्न जनसंचार माध्यमों एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से प्राप्त सूचनाओं के आलोक में यह कार्रवाई की गई है।आदेश के अनुसार सुरेंद्र यादव को तत्काल प्रभाव से पार्टी के सभी दायित्वों व प्राथमिक सदस्यता से आगामी छह वर्षों के लिए निष्कासित किया जाता है।इस आदेश की प्रति झामुमो साहिबगंज जिला समिति के अध्यक्ष एवं सचिव को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है और अनुशासनहीनता के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

मुखिया की पहल पर आदिवासी टोला गरमरा में लगा ट्रांसफॉर्मर

टाटीझरिया : टाटीझरिया प्रखंड के टाटीझरिया पंचायत अंतर्गत आदिवासी टोला गरमरा के ग्रामीणों को आखिरकार बिजली समस्या से निजात मिल गई। पंचायत के मुखिया सुरेश यादव की पहल पर गांव में नया 25 केवीए का बिजली ट्रांसफॉर्मर लगा दिया गया है। गुरुवार को मुखिया ने विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद फीता काटकर नए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन किया। उल्लेखनीय है कि गरमरा आदिवासी टोला का 25 केवीए का ट्रांसफॉर्मर पिछले एक पखवाड़े से जला हुआ था, जिसके कारण पूरे टोले में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप थी। इससे ग्रामीणों, बुजुर्गों और पढ़ने वाले बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

समस्या से परेशान ग्रामीणों ने इसकी जानकारी मुखिया को दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुखिया ने तुरंत विभागीय अधिकारियों से संपर्क कर पहल की और नया ट्रांसफॉर्मर स्वीकृत करवाकर गांव में लगवाया। नया ट्रांसफॉर्मर चालू होने से पूरे टोले के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुशील बेसरा, नीतेश मांझी, अजीत मांझी, महेंद्र मांझी, कार्तिक मांझी, जीवलाल मांझी, रूपेश मांझी, बासुदेव मांझी, सुनील मांझी, सुखदेव मांझी समेत कई अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

बरही के अलग-अलग गांवों में सर्पदंश की चार घटनाएं

बरही : बारिश के साथ ही सांप काटने की घटनाएं बढ़ गई है। गुरुवार को बरही के अलग-अलग गांवों में चार लोगों को सांप ने काट लिया। सभी चारों का इलाज बरही अनुमंडलीय अस्पताल में करने के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। सांप काटने से पीड़ित नरेश सिंह उम्र 70 वर्ष ग्राम कटियौन, कुंती देवी उम्र 40 वर्ष ग्राम देवचंदा देवचंदा रामेश्वर यादव उम्र 60 वर्ष ग्राम रालो शामिल हैं वहीं चौपारण प्रखंड के कारीपहरी गांव के हरि दास को भी खेत में सांप ने काट लिया। सभी पीड़ितों का बरही अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद एंबुलेंस से सदर अस्पताल हजारीबाग भेजा गया।

उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि सांप काटने का इलाज एंटी स्नेक वेनम ही है। झाड़ फूंक और अन्य कोई इलाज जान को जोखिम में डालने वाला है। डॉ प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि सांप काटने के बाद जितना जल्दी हो सके अस्पताल में इलाज कराना चाहिए। उन्होंने लोगों से खेत, बगीचे और झाड़ियों में काम करते समय सतर्क रहने के लिए कहा।

विभावि परिसर में शुरू हुआ विशेष सफाई सफाई अभियान

हजारीबाग : विनोबा भावे यूनिवर्सिटी परिसर में गुरुवार को विशेष सफाई अभियान प्रारंभ किया गया। विवि के विकास पदाधिकारी सह अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ देवनारायण राम के निर्देशन में लगभग डेढ़ दर्जन सफाई कर्मियों की टोली बना कर कर अतिथि भवन के आसपास व उक्त भवन के सामने स्थित पार्क में और रविंद्रनाथ टैगोर कला भवन के समक्ष सफाई अभियान संचालित किया गया । अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए विवि के विकास पदाधिकारी ने बताया कि यह अभियान वर्षा के मौसम में उत्पन्न जंगल-झाड़ी आदि को साफ करने के उद्देश्य से चलाया गया। इसके अलावे झाड़ियों की बाड़ का कटिंग का कार्य किया गया है ।

कहा कि इस मौसम में यह अभियान समय-समय पर निरंतर संचालित किया जाएगा। बताया कि शुक्रवार को गृह विज्ञान भवन के आसपास से सफाई कार्य किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य है कि यहां आने वाले विद्यार्थियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। साथ ही विवि परिसर को ग्रीन व क्लिन रखा जाए।

कोलकाता डाक निर्यात केंद्र साहिबगंज से आए विविध विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ लेने की अपील

एमएसएमई उद्यम हमारे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं

संवाददाता

साहिबगंज : भारत सरकार एमएसएमई मंत्रालय शाखा एमएसएमई-विकास कार्यालय धनबाद द्वारा साहिबगंज जिले में खरीद एवं विपणन सहायता योजना के तहत एक दिवसीय निर्यात संवर्द्धन एवं जेम पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी नेशनल सेमिनार का आयोजन गुरुवार को सीधो कान्हु ऑडिटोरियम साहिबगंज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के एमएस एमई मंत्रालय द्वारा एमएसएमई इकाईयों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में नवीनतम चलन, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लेना निर्यात संवर्द्धन निर्यात की प्रक्रिया निर्यात संबंधित दस्तावेजीकरण ई-मार्केटिंग इत्यादि के बारे में वृहद रुप से जानकारी देना एवं जागरुक करना है।इस कार्यक्रम का उद्घाटन गुरुवार को सीधो कान्हु ऑडिटोरियम, साहेबगंज में मुख्य अतिथि सतीश चन्द्र, झा.प्र.से.डीडीसी साहिबगंज एवं विशिष्ट अतिथि श्री इंद्रजीत यादव आई.ई.डी.एस निदेशक, एमएसएमई-विकास कार्यालय राँची के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम के संयोजक दीपक कुमार, सहायक निदेशक शाखा एमएसएमई-विकास कार्यालय धनबाद द्वारा उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया।एमएसएमई-विकास कार्यालय, राँची से आए श्री इंद्रजीत यादव आई.ई.डी.एस निदेशक ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपझ्र रेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी । इस संगोष्ठी में शामिल हो रहे सभी प्रतिभागी

उद्यमियों से विदेश व्यापार महा निदेशालय डीजीएफटी के कोलकाता डाक निर्यात केंद्र साहिबगंज से आए विविध विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ लेने की अपील की जिससे वे अपने उत्पादों का निर्यात विदेशों में कर सकें और अपने उद्यमों का विकास सुनिश्चित कर सकें। साथ ही उन्होंने रांची से आए जेम के झारखंड राज्य के फैसिलिटेटर को ध्यान देकर सुनने एवं जेम पर पंजीकरण की प्रक्रिया सीखने की बात कही जिससे वे अपने उत्पादों को सरकारी विभागों में बेच सकें एवं उनके व्यापार का विकास हो सके।कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित राजेश अग्रवाल अध्यक्ष, इस्टर्न झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, साहिबगंज ने इस क्षेत्र में उद्यमियों द्वारा व्यापार करने में आ रही समस्याओं व चुनौतियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से प्रतिभागी उद्यमी अपने उत्पादों का सीधे निर्यात कर पाने में सक्षम होंगे तथा आशा किया कि इससे साहेबगंज जिले के उद्योगों का विकास होगा जो सामुहिक रूप से झारखंड एवं देश के समग्र विकास में सहयोग करेगा।विशिष्ट अतिथि श्री रमाकान्त चतुवेर्दी, महाप्रबंधक, डीआईसी साहिबगंज ने मंच पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि एमएसएमई उद्यम हमारे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। एमएसएमई उद्यमियों के विकास के लिए उत्पादों के निर्यात से संबंधित विषय का चयन प्रशंसनीय है एवं इसमें ज्यादा से ज्यादा कार्यशाला एवं प्रशिक्षण सत्र चलाए जाने की आवश्यकता है जिससे निर्यात पर जागरूकता को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने झारखंड सरकार द्वार चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान किया।मुख्य अतिथि श्री सतीश चन्द्र, झा.प्र.से डीडीसी, साहिबगंज ने कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अपने अभिभाषण में कहा कि भारत सरकार की ओर से एमएसएमई के विकास के लिए विविध योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि साहिबगंज जिले एवं आसपास के जिलों में विभिन्न प्रकार के प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात की बहुत संभावना है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन से प्रतिभागी उद्यमियों को अपने उत्पादों का सीधे निर्यात करने में मदद मिल पाएगी। उन्होंने उद्यमियों को झारखंड सरकार की ओर से हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने साहिबगंज जिले में झारखंड सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यालयों के प्रतिनिधियों को इस संगोष्ठी में जेम पर दिए जा रहे विशेष प्रशिक्षण से लाभ लेने के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार के संगोष्ठी के आयोजन के लिए आकांक्षी जिला साहिबगंज का चयन करने के लिए उन्होंने एमएस एमई विकास कार्यालय, राँची एवं धनबाद को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। सुजीत कुमार, सहायक निदेशक ने कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की समाप्ति पर सभा में उपस्थित मुख्य अतिथि अन्य गणमान्य अतिथियों एवं सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

तत्पश्चात तकनीकी सत्र में विदेश व्यापार महानिदेशालय डीजीएफटी के कोलकाता स्थित कार्यालय के अधिकारी देव कुमार ने प्रतिभागी उद्यमियों को निर्यात संवर्द्धन निर्यात की प्रक्रिया निर्यात संबंधित दस्तावेजीकरण इत्यादि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया। डाक घर निर्यात केंद्र, साहेबगंज के अधिकारी अभिषेक कुमार डाक निरीक्षक ने डाक घर निर्यात केंद्र की गतिविधियों एवं निर्यात को बढ़ाने में उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत चर्चा किया। श्री प्रदीप कुमार झा एलडीएम एसबीआई साहिबगंज ने बैंकों द्वारा उद्यमियों को दिए जा रहे निर्यात संबंधी ऋण सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया रांची से आए जेम के विशेषज्ञ सुबोध कान्त द्वारा जेम पोर्टल पर पंजीकरण करने एवं अपने उत्पादों के पोर्टफोलियो बनाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। जबकि झारखंड राज्य के उद्योग संघों, चैम्बर्स एवं साहेबगंज जिले एवं आसपास के जिलों के लगभग 120 से ज्यादा प्रतिभागी उद्यमियों निर्यात संवर्द्धन एवं जेम से संबंधित जानकारी प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में साहिबगंज जिले में झारखंड सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यालयों के क्रय अनुभाग से आए प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया एवं जेम से संबंधित जानकारी प्राप्त किया। संगोष्ठी के आयोजन में सुजीत कुमार, सहायक निदेशक, कुणाल, यंग प्रोफेशनल एवं शाखा एमएसएमई-विकास कार्यालय, धनबाद के अन्य कर्मचारियों ने सहयोग किया।

गुरुजी के प्रथम पुण्यतिथि पर साहेबगंज जिला भर से 15 हजार कार्यकर्ता होंगे शामिलः पंकज मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज/बोरियो : बोरियो मोरंग नदी के समीप सत्यनाथ शाह के आवास में झामुमो जिला समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने किया।इस बैठक में दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि 4 अगस्त को श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मानने को लेकर तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 4 अगस्त को साहिबगंज के ऐतिहासिक सिदो-कान्हू स्टेडियम में स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर भव्य एवं ऐतिहासिक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा।इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है. बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो के केंद्रीय सचिव एवं प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने कहा कि स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन केवल झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड आंदोलनकारी के प्रेरणा स्रोत रहे हैंउन्होंनेआदिवासियों,मूलवासियों,किसानों,मजदूरों और गरीबों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया।उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।उन्होंने आगे बताया कि सिदो-कान्हू स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों सामाजिक संगठनों बुद्धिजीवियों एवं आम नागरिकों को सादर आमंत्रित किया जाएगा।साहेबगंज जिले से लगभग 15 हजार कार्यकर्ता बाबा दिशोम गुरु वीर स्व शिबू सोरेन जी के प्रथम पुण्यतिथि पर साहिबगंज जाएंगे।उसकी तैयारी शुरू हो चुकी है।मौके जिला युवा अध्यक्ष संजय गोस्वामी,जिला उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम,जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू,जिला सचिव सुरेश टुडू,जिला युवा सचिव मो मारुफ उर्फ गुड्डू, केंद्रीय समिति सदस्य मुजीबुर रहमान,गुरु हेम्ब्रम,मो अखलाकुर रहमान,नगर अध्यक्ष किताबुद्दीन शेख,जेम्स किस्कू,जिलेबी सिंह,जय प्रकाश भगत,जंग बहादुर सिंह, रहमान अंसारी,काजू मल्लिक, अब्दुल बारीक शेख,मो एजाज अंसारी,बरहेट प्रखंड अध्यक्ष बर्नाड मरांडी,पतना सचिव मो शाहबाज, राजमहल प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान,उधवा प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली,नगर अध्यक्ष मो आजाद, साहेबगंज प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह,नगर अध्यक्ष आदित्य यादव, मंडरो प्रखंड अध्यक्ष सुबोध सोरेन, बोरियो प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू, गफ्फार अंसारी, बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफूर,नगर अध्यक्ष धर्मवीर महतो,फरहाद अंसारी रिजवान अंसारी,रमेश मुर्मू,सुरेश मरांडी,शकील अहमद,अर्जुन रजक बाबूलाल हेंब्रम समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

महिला संगठन को जागरूक बनाना है : फूल कुमारी

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल निरीक्षण भवन में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला महिला मोर्चा कि बैठक सोनिया परवीन कीअध्यक्षता मे हुई।बैठक मे केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव और केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमार देवी मुख्य रूप से मौजूद रही बैठक मे पहुँचे केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देव का स्वागत महिला मोर्चा के सदस्य ने फुल माला पहनाकर किया।बैठक मे महिला कमिटी का विस्तार करते हुए जिला महामंत्री निशा देवी को कार्यकारी अध्यक्ष,रीता को उपाध्यक्ष,मरियम मुर्मू सहायक मंत्री,सुनीता देवी संयुक्त मंत्री,प्रिया भारती कार्यालय मंत्री,रिंकू सिंह व पिंकी देवी को सदस्य के रूप में चयन किया गया।बैठक को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी ने कहा की समाज में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता है इसी क्रम में महिला संगठन को जागरूक बनाना है।वही केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा की प्रत्येक महिला सदस्य को पांच महिला सदस्य जोड़ना है साथ यह भी बोले की अनुशासन मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर संगठन को गति देना है।बैठक मे नरेगा बीबी रुबीना खातून,लादू बीवी बालिका कुमारी,काजल देवी,मौसमी कुमारी, रिंकी देवी,दुर्योधन कर्मकार सहित कई लोग मौजूद थे।

कावरिया और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा जिला प्रशासन देगी : उपयुक्त

श्रवण माह में एक महीना बेहतर तरीके से ड्यूटी करे लापरवाही बरतने वाले कर्मी के ऊपर कार्रवाई की जाएगी : एसपी

संवाददाता

साहिबगंज : श्रावण माह के प्रथम दिन गुरुवार को बरहेट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत शिवगादी स्थित बाबा गाजेश्वरनाथ धाम में श्रावणी मेला का डीसी दीपक कुमार दुबे, एसपी अमित कुमार सिंह, एसडीओ सदर अमर जॉन आइंद, झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम सहित अन्य ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजन करके नारियल फोड़कर फीता काटकर मेला का उद्घाटन किया। वही उपयुक्त दीपक दुबे ने श्रावण माह का बधाई देते हुए कहा कि हर सोमवार व नागपंचमी के दिन आस पास ओर अन्य प्रदेशों से श्रद्धालु आते है।कावरिया ओर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा जिला प्रशासन देगी।पूजन व जलार्पण बेहतर से हो।मोतीझारना स्थित मोतीनाथ धाम ओर शिवगादी धाम में सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधा बेहतर है। स्वास्थ्य मोबाइल यूनिट की स्थापना

कावरिया पथ में की गई है।रविवार और सोमवार को पुलिस बल व मजिस्ट्रेड की तैनाती रहेगी। श्रवण माह में एक महीना बेहतर तरीके से ड्यूटी करे लापरवाही बरतने वाले कर्मी के ऊपर कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्पेशल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा, बरहेट बाजार से शिवगादी तक ओर बहरवा से शिवगादी तक स्पेशल मोबाइल यूनिट का अलग से व्यवस्था की गई है।वही एसपी अमित कुमार सिंह ने भी श्रावण मास का बधाई देते हुए कहा कि इस बार व्यवस्था बेहतर है,महिला पुरुष पुलिस बल की तैनाती की गई है। श्रद्धालु को कोई तकलीफ न हो, कतारबद्ध होकर दर्शन पूजन करे। नया 15 वाहन ओर 100 बाइक से पुलिस पेट्रोलिंग करेगी, मेला तक 15 वाहन मेला क्षेत्र में पेट्रोलिंग करेगी। मोतीझरना मोनिनाथधाम में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी।

जल्द ही हेलीपैड ओर रोपवे बनेगा देश विदेश के श्रद्धालुओं कर सकेंगे दर्शन पूजन - पंकज

झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा ने श्रावणी मेला ओर श्रावण माह का बधाई देते हुए कहा कि शिवगादी धाम राजमहल ओर सदर अनुमंडल ओर तालझारी व बरहेट प्रखंड क्षेत्र में विभाजित है। भोलेबाबा राजमहल अनुमंडल क्षेत्र में है,तालझारी प्रखंड क्षेत्र में पड़ता है। पहाड़ के ऊपर से सालों भर भोले बाबा पर पानी गिरते रहता है,यहां का विकास यहां के विधायक सह सीएम हेमंत सोरेन कर रहे है।झारखंड के देवघर के बाद दूसरा श्रावणी मेला यहां लगता है।क्षेत्र का विकास हो रहा है।सूबे के मुखिया ने मंदिर परिसर से बरहेट चौक तक सोलर लाइट लगाकर चकाचक कर दिया है।इसी साल रोपवे लगाने का अनुशंसा हो जाएगा। एक हेलीपैड भी यहां बनेगा। शिवगादी धाम के विकास में यहां के ग्रामीण लोग सहयोग करे,दूर दराज से श्रद्धालु हेलीकॉप्टर से आकर दर्शन कर सकेंगे।सावन के बाद ग्रामीणों के साथ अधिकारी बैठक करके हेलीपैड बनवाए।मेला में पहले से बेहतर व्यवस्था है।श्रद्धालुओं को ठहरने का व्यवस्था भी बेहतर है।बरहेट शिवगदी रास्ते में चलंत शौचालय की व्यवस्था होगी,मेडिकल डॉक्टर की दो तीन टीम रहे।सावन भादो तक एक स्थाई कैंप शिवगादी में लगाया जाए।प्रत्येक सोमवार को बीडीओ व थाना प्रभारी सुबह से शाम तक मंदिर परिसर में रहकर निगरानी करे। हरिंचारा मोड से शिवगादी तक वाला रोड जल्द बनेगा। शिवगदी मंदिर झारखंड ओर साहिबगंज के साथ भारत के मानचित्र पर रहेगा।भोलेबाबा से यह प्रार्थना है कि साहिबगंज जिला बरहेट प्रखंड, झारखंड राज्य भारत देश खुशहाली विकसित हो।वही डीसी दीपक दुबे व एसपी अमित कुमार सिंह ने बाबा गाजेश्वरधाम में पूजन अभिषेक करके जिलावासियों के सुख समृद्धि विकास की कामना की।मौके पर पुरोहित सुनील कुमार झा,तिब्लू झा,कैलाश ठाकुर, सनोज झा,सौरव मिश्रा व पवन कुमार झा,शिवगादी समिति अध्यक्ष रूपक साह,सचिव उत्पल दत्ता उपाध्यक्ष संजय गुप्ता,विपिन साह, संजय गोस्वामी राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, एसडीपीओ बरहरवा नितिन खंडेलवाल,डीईओ नयन कुमार, इंस्पेक्टर नुनुदेव राय,थाना प्रभारी चन्दन कुमार भैया,बीडीओ सहित दर्जनों शिवभक्त उपस्थित थे।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: लवप्रीत सिंह ने सुपर हेवीवेट भारोत्तोलन में जीता रजत

एजेंसी

ग्लासगो : भारत के स्टार भारोत्तोलक लवप्रीत सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के +110 किग्रा सुपर हेवीवेट वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। स्कॉटिश इवेंट कैंपस में गुरुवार को खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में लवप्रीत ने कुल 388 किलोग्राम (स्नैच 176 किग्रा + क्लीन एंड जर्क 212 किग्रा) वजन उठाया। स्वर्ण पदक न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयू लिटी ने कुल 389 किलोग्राम वजन उठाकर केवल एक किलोग्राम के अंतर से जीता। 28 वर्षीय लवप्रीत, जिन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 109 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था, इस बार सुपर हेवीवेट वर्ग में और भी दमदार अंदाज में नजर आए। उन्होंने स्नैच में अपने

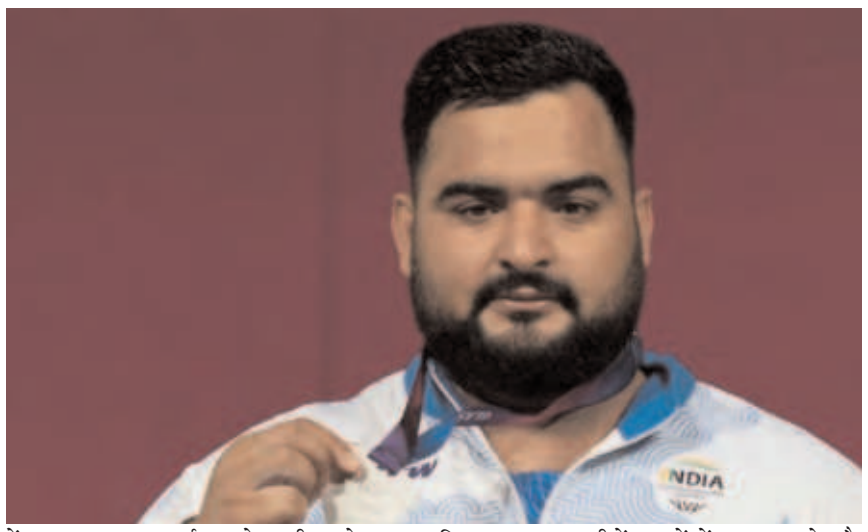

तीनों प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। पहले 168 किलोग्राम, फिर 173 किलोग्राम और अंत में 176 किलोग्राम वजन उठाकर उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

मुकाबले का सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार समोआ के सनेले माओ स्नैच में 175 किलोग्राम के तीनों प्रयासों में असफल रहे और प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इसका पूरा फायदा लवप्रीत ने उठाया और 176 किलोग्राम का सफल प्रयास कर स्नैच के बाद 10 किलोग्राम की बढ़त बना ली। हालांकि क्लीन एंड जर्क में मुकाबला पूरी तरह बदल गया। लवप्रीत ने 212 किलोग्राम का सफल प्रयास किया, लेकिन 217 किलोग्राम उठाने में असफल रहे। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के डेविड लिटी ने 223 किलोग्राम का शानदार भार उठाकर क्लीन एंड जर्क का नया खेल रिकॉर्ड बनाया और कुल 389 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया। हालांकि स्वर्ण पदक लवप्रीत से एक किलोग्राम दूर रह गया, लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने बर्मिंघम 2022 के कांस्य पदक से आगे बढ़ते हुए इस बार रजत पदक जीतकर भारतीय भारोत्तोलन अभियान का शानदार समापन किया और अंत तक स्वर्ण के लिए कड़ा संघर्ष किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: सीमा ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में जीता कांस्य

ग्लासगो : भारत की सीमा कालीरामना ने गुरुवार को राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में कांस्य पदक जीता। उनके दूसरे प्रयास में 58.65 मीटर का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो (छह में से उनके केवल दो ही वैध थ्रो थे) उन्हें पोडियम तक पहुँचाने के लिए काफी था। प्रतियोगिता में शामिल दूसरी भारतीय, निधि रानी, 57.10 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इन खेलों में महिलाओं के डिस्कस थ्रो में भारत का यह नौवां पदक है और कालीरामना छठी अलग-अलग मेडलिस्ट हैं। सीमा पूनिया के नाम चार राष्ट्रमंडल खेल पदक हैं, जिनमें तीन रजत शामिल हैं। जमैका की सामंथा हॉल ने 61.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण जीता, जबकि कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया।

पूर्वोत्तर समुदाय के लिए पहली बार होगा दिल्ली-एनसीआर नॉर्थ ईस्ट स्पोर्ट्स मीट 2026 का आयोजन

गुवाहाटी/नई दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले पूर्वोत्तर भारत के लोगों के लिए पहली बार आयोजित किए जा रहे बहु-खेल आयोजन ₹दिल्ली एंड एनसीआर नॉर्थ ईस्ट स्पोर्ट्स मीट 2026₹ की घोषणा गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में की गई। इस प्रतियोगिता का आयोजन आयोजन समिति, दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन और 7 सिस्टर्स फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष सरोज शर्मा ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि खेल राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए एसोसिएशन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और विश्वास जताया कि यह प्रतियोगिता भविष्य में पूर्वोत्तर समुदाय का एक प्रतिष्ठित वार्षिक खेल महोत्सव बनेगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष मानस डेका ने बताया कि इस स्पोर्ट्स मीट का उद्देश्य पूर्वोत्तर के आठों राज्यों के खिलाड़ियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आपसी संवाद और खेल भावना को भी मजबूत कर सकें। उन्होंने प्रतियोगिता के आधिकारिक शुभंकर रेड पांडा का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि सिक्किम के राज्य पशु रेड पांडा को उसकी सौम्यता, फुर्ती, बुद्धिमत्ता और संघर्षशीलता के प्रतीक के रूप में चुना गया है, जो पूर्वोत्तर की संस्कृति और पहचान को दर्शाता है।

पॉपुलर सिंगर और रैपर बादशाह की दूसरी शादी में अनबन की खबरें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनकी पत्नी ईशा रिखी ने हाल ही में एक पोस्ट में लिखा है कि वो अब तक बादशाह के पावर के डर से चुप थीं, लेकिन वो अब और दिखावा नहीं कर सकतीं। ईशा ने पोस्ट में तलाक का हिंट भी दिया था।

बादशाह दूसरी बार लेंगे तलाक!

- पत्नी ईशा बोलीं- उनके पावर के डर से चुप थी, अब दिखावा नहीं कर सकती

ईशा रिखी ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'कुछ लड़ाइयां ऐसी भी होती हैं, जिनके जख्म बाहर दिखाई नहीं देते। मैं बहुत लंबे समय तक चुप रही, क्योंकि मैं डरी हुई थी। मुझे लगता था कि मेरे पति के पास इतना इन्फ्लूएंस, पावर और रीसोर्स हैं कि उनके सामने मैं कुछ नहीं कर पाऊंगी। मैंने खुद को यही समझा लिया था कि चुप रहना ही मेरे लिए सबसे सुरक्षित रास्ता है।' आगे ईशा ने लिखा है, 'चुप्पी कभी स्वीकार नहीं की जाती, वह सिर्फ अपने अस्तित्व को बचाने की कोशिश थी। आज मैं डर नहीं, बल्कि हिम्मत को चुन रही हूं। शायद मैं अभी पूरी कहानी बताने के लिए तैयार नहीं हूं, लेकिन अब मैं यह दिखावा करना बंद करने के लिए तैयार हूं कि सब कुछ ठीक था।'

इस क्रिप्टिक पोस्ट से कुछ दिन पहले ही ईशा ने बादशाह के साथ कुछ तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर लिखा था, कुछ तूफान, सबक लेकर आता है और हर दुआ उम्मीद। ईशा की इस पोस्ट पर करीबी दोस्त जैस्मिन भसीन ने कमेंट कर उन्हें मजबूत बने रहने की सलाह दी थी। बता दें कि ईशा रिखी की पोस्ट सामने आने के बाद कई करीबी और दोस्त उनके समर्थन में पोस्ट शेयर कर रहे हैं। एक करीबी ने लिखा है, 'तुम जिस दौर से गुजर हो और अब भी गुजर रही हो, उसकी मैं गवाह हूं। मैं और तुम्हारे करीब रहने वाले बाकी लोग जानते हैं कि तुमने हर मुश्किल का सामना ईमानदारी, सच्चाई और पूरे आत्मसम्मान के साथ किया है। मजबूत बनी रहो, ईशा रिखी। हम तुम्हारे साथ हैं, और सच के साथ भी।

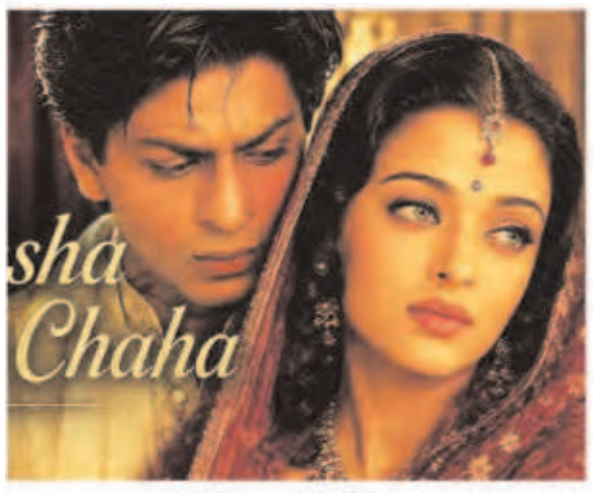

रेखा को मिलेगा आईएफएफएम में खास सम्मान

उमराव जान की होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

मशहूर अभिनेत्री रेखा को 'भारतीय फिल्म ऑफ मेलबर्न 2026' में भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। साथ ही, उनकी क्लासिक फिल्म 'उमराव जान' को भी प्रदर्शित किया जाएगा। यह फिल्म महान गायिका आशा भोसले को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रदर्शित की जाएगी। अभिनेत्री का कहना है कि फिल्म में उनके द्वारा निभाया गया किरदार उनकी यादों और चुप्पी में जिंदा है। रेखा ने कहा, 'उमराव जान ने मुझे कभी नहीं छोड़ा। वह मेरी यादों, खामोशियों और उन लोगों के दिलों में जिंदा है, जिन्होंने इतने सालों में उन्हें बहुत प्यार और अपनापन दिया। उस सफर को फिर से देखना और फिल्म को ग्लोबल मंच पर सेलिब्रेट करते देखना, विनम्र और दिल छूने वाला है। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'सिनेमा मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा आशीर्वाद है और 'आईएफएफएम 2026' में 'एक्सीलेंस इन सिनेमा अवॉर्ड' से सम्मानित होना खास है। मैं इस सम्मान को तहे दिल से स्वीकार करती हूं, ने सिर्फ अपनी यात्रा के पहचान के तौर पर, बल्कि उन फिल्ममेकर्स, लेखकों, म्यूजिशियंस और अनगिनत सहयोगियों को श्रद्धांजलि देने के तौर पर भी, जिन्होंने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया और मेरे काम को आकार दिया। फेस्टिवल की खास इंडिपेंडेंस डे परंपरा के तहत, रेखा 15 अगस्त को मेलबर्न में इंडियन नेशनल फ्लैग फहराएंगी। यह भारत के 79वें इंडिपेंडेंस डे के मौके पर होगा। इस मौके पर उनके साथ इंडियन डायस्पोरा के सदस्य, ऑस्ट्रेलियाई जाने-माने लोग, फिल्ममेकर, कलाकार और सिनेमा लवर भी होंगे। फेस्टिवल के सालाना फ्लैग-होस्टिंग सेरेमनी को पहले भी इंडियन सिनेमा की कुछ सबसे मशहूर हस्तियों ने लीड किया है, जिनमें स्वर्गीय ऋषि कपूर, आमिर खान, शबाना आजमी, अनिल कपूर, रानी मुखर्जी, ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, रामचरण और फिल्ममेकर करण जौहर शामिल

तूफानी बारिश, कमर तक पानी...

24 साल पहले ऐसे रिकॉर्ड हुआ ऐश्वर्या का कल्ट गाना

साल 2000 के दौर में ऐसी कई म्यूजिकल फिल्में बनीं, जिनके गाने सुपरहिट रहे। इसी बीच एक ऐसी फिल्म आई, जिसने गाने कल्ट क्लासिक रहे और उसी दौरान कविता कृष्णमूर्ति ने एक ऐसा गाना गाया जो खूब हिट हुआ, लेकिन जिसकी रिकॉर्ड भरी बारिश में हुई थी।

कौन सा है वह गाना?

दरअसल आज जिस गाने का जिक्र हम कर रहे हैं, वह गाना साल 2002 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म देवदास का है। संजय लीला भंसाली की इस फिल्म के यूं तो सारे हिट हुए लेकिन फिल्म के गाने 'हमेशा तुमको चाहा' के बनने के पीछे की कहानी दिलचस्प है। दरअसल फिल्म का संगीत इस्माइल दरबार ने तैयार किया था। इस्माइल दरबार के साथ भंसाली पहले ही हम दिल दे चुके सनम जैसी सुपरहिट फिल्म दे चुके थे। ऐसे में जब देवदास के गाने हमेशा तुमको चाहा की रिकॉर्डिंग झमाझम बारिश में हुई थी। फिल्म के गाने को कविता कृष्णमूर्ति और उदित नारायण ने आवाज दी थी और गाने को नुसरत बद्र ने लिखा था।

बारिश में रिकॉर्ड हुआ वो गाना

बीते दिनों ही फिल्म के 24 साल पूरे होने पर इस्माइल दरबार ने खुद इस किस्से को साझा किया। उन्होंने बताया कि उस दौरान आज की तरह ही मुंबई झमाझम बारिश हो रही थी। इस्माइल दरबार का घर खार में था और संजय लीला भंसाली यारी रोड पर रहते थे। संजय लीला भंसाली ने इस्माइल दरबार से कहा कि गाना आज ही रिकॉर्ड करना है, लेकिन इस्माइल दरबार ने बारिश के चलते गाना कैसे रिकॉर्ड होगा। जगह-जगह पानी भरा हुआ था। लेकिन जैसे-तैसे दोनों गाने की रिकॉर्डिंग के लिए स्टूडियो के लिए निकले, जबकि भंसाली का घर काफी दूर था और इस्माइल दरबार पास रिकॉर्डिंग स्टूडियो के पास ही रहते थे। काम का जुनून इतना ज्यादा था कि दोनों पानी में लगभग डूबकर रिकॉर्डिंग के लिए पहुंचे। पानी में आधे डूबडकर पूरी टीम के साथ रिकॉर्डिंग के लिए स्टूडियो तक पहुंचे। वहीं इस गाने के लिए इस्माइल दरबार ने 70 म्यूजियशन्स को बुक किया था, लेकिन बारिश के चलते महज 16 लोग ही आए। यह एक रिदम डबिंग थी और फिर इतने ही लोगों के साथ यह गाना रिकॉर्ड किया गया। आपको बता दें कि, फिल्म देवदास के सभी गाने कल्ट क्लासिक रहे और फिल्म में शाह रुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित नजर आए। यह गाना भी ऐश्वर्या और शाह रुख पर ही फिल्माया गया था।

प्रियंशी यादव ने बताया कौन है उनका सबसे बड़ा गुरु, कहा-

एक्टिंग में ईमानदारी सबसे जरूरी

मुंबई प्रियंशी यादव ने टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने करियर में कई किरदार निभाए और हर प्रोजेक्ट से कुछ नया सीखा। उन्होंने गुरु पूर्णिमा को लेकर अपनी जिंदगी के उस शख्स का जिक्र किया, जिसने उन्हें सिर्फ एक बेहतर कलाकार ही नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद की। जब प्रियंशी से पूछा कि ऐसा कौन सा किरदार, भूमिका या अनुभव रहा, जिसने उन्हें एक कलाकार और इंसान के तौर पर बदलने में मदद की, तो उन्होंने कहा, मैंने जिन भी शोज में काम किया है, उन सभी से मैंने कुछ नया सीखा है। हर अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की है। मैं कहना चाहूंगी कि रोहित राज गोयल के साथ काम करना मेरे सबसे अच्छे अनुभवों में से एक रहा है। उन्होंने मुझे किरदार को समझना, उसे स्वाभाविक तरीके से निभाना और सबसे जरूरी बात, किरदार को सिर्फ परफॉर्म करना नहीं, बल्कि उसे जीना सिखाया। अभिनेत्री ने कहा कि एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार के साथ ईमानदार रहे। उन्होंने बताया कि रोहित राज गोयल ने उन्हें समझाया कि किसी भी सीन को करते समय कलाकार को सिर्फ अपनी लाइन बोलने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि उस किरदार की भावनाओं को महसूस करना चाहिए। यही बात अभिनय को खास बनाती है। प्रियंशी ने बताया, शुरुआत में मैं कई बार शूटिंग से पहले काफी घबरा जाती थी। किसी सीन को करने से पहले चिंता होने लगती थी और मैं नर्वस महसूस करती थी। तब रोहित ने मुझे एक ऐसी सलाह दी, जिसने मेरी सोचने का तरीका बदल दिया। रोहित ने मुझसे कहा कि जिस दिन अंदर से घबराहट और बेहतर करने की इच्छा पूरी तरह खत्म हो जाए और यह सोचना शुरू हो जाए कि मुझे सब आता है, तो आप उस दिन से एक अच्छा कलाकार नहीं बन पाओगे। एक अभिनेता के अंदर हमेशा यह भावना रहनी चाहिए कि वह अपने काम को और बेहतर कर सकता है। प्रियंशी ने कहा, इस सीख ने मुझे काफी प्रभावित किया। नर्वस होना या किसी सीन को लेकर चिंतित होना गलत नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि कलाकार अपने काम को लेकर गंभीर है। लेकिन, उस डर को संभालकर अपने अभिनय में ईमानदारी लाना जरूरी है।

जब अक्षय कुमार संग काम करने में छूटे जॉन अब्राहम के पसीने, छोड़ने वाले थे यह फिल्म

मुझसे नहीं होगा, पैसे वापस ले लो...

'गरम मसाला' की शूटिंग के दौरान जब जॉन अब्राहम इतने घबरा गए थे कि पैसे वापस करके फिल्म तक छोड़ने को तैयार हो गए थे. अक्षय कुमार ने शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट में इसका खुलासा किया, वहीं डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अक्षय द्वारा जॉन के सीन कटवाने की अफवाहों का सच भी बताया. अक्षय कुमार, जॉन अब्राहम और परेश रावल की जोड़ी ने 2005 में आई फिल्म 'गरम मसाला' में काफी धूम मचाई थी. यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और आज भी दर्शकों के बीच काफी पसंद की जाती है. अक्षय को कॉमेडी में माहिर माना जाता है, जबकि उस समय जॉन अब्राहम ज्यादातर गंभीर किरदारों में नजर आते थे. अब एक पुराने इंटरव्यू में अक्षय ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग के शुरुआती दिनों में जॉन काफी नर्वस थे और वह इतना घबरा गए थे कि उन्हें पसीना आने लगा था और वह फिल्म छोड़ने के बारे में भी सोचने लगे थे. शुभंकर मिश्रा के साथ एक पॉडकास्ट में अक्षय कुमार ने बताया कि जॉन अब्राहम फिल्म के शुरुआती दिनों में काफी परेशान हो गए थे. वह प्रियदर्शन के सामने कॉमेडी करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन निर्देशक के तेज शूटिंग स्टाइल के कारण जॉन काफी दबाव में आ गए. उन्हें इतना पसीना आ रहा था कि उन्होंने अक्षय से कहा कि वह यह फिल्म नहीं कर पाएंगे. जॉन ने प्रियदर्शन से भी बात की और पूछा कि क्या उन्हें फिल्म से हटाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि सब कुछ बहुत तेजी से हो रहा है और उन्हें सांस लेने तक का समय नहीं मिल रहा. जॉन फिल्म छोड़ने के लिए पैसे वापस करने को भी तैयार थे.

शिल्पा शेट्टी ने आरक्षण विवाद पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए बताया कि रिजर्वेशन पर उनके खिलाफ फैलाई जा रही अफवाहें पूरी तरह से फर्जी और निराधार है। साथ ही, अभिनेत्री ने ऐसी खबरों पर भरोसा न करने की सलाह दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने लिखा, मेरे नाम से जोड़कर आरक्षण को लेकर फैलाए जा रहे झूठे बयानों को देखकर मैं हैरान हूं। यह पूरी तरह से फर्जी, दुर्भावनापूर्ण और झूठी खबर है। इस नकली खबर पर भरोसा न करें। बात दें कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन की समाप्ति के बाद जुलाई के अंतिम सप्ताह में सोशल मीडिया पर रिजर्वेशन हटाओ आंदोलन (आरएचए) नामक नया डिजिटल अभियान शुरू किया गया।

पाकिस्तान में कोयला खदान में विस्फोट, 34 की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद (पाकिस्तान) : देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में एक कोयला खदान में विस्फोट होने से कम से कम 34 खनिकों की मौत हो गई। अनेक लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ((पीडीएमए) ने कहा कि यह हादसा बलोचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के बाहरी सोरंगे इलाके में गुरुवार को हुआ। बचावकर्मी सुरंग में फंसे बाकी खनिकों तक पहुंचने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं।

द न्यूज और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पीडीएमए के अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह कहा कि विस्फोट के बाद कोयला खान ढह गई। हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। खदान से छह और शव निकाले गए हैं।बचाव दल अभी भी उन दर्जनों खनिकों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं जिनके सुरंग में फंसे होने की आशंका है। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने हादसे की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर राहत और बचाव कार्य में लापरवाही पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को पूरे प्रांत में कोयला खदानों में सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करने का भी निर्देश दिया। खान एवं खनन मंत्री शोएब नोशिरवानी ने कहा है कि बेहद मुश्किल हालात के बावजूद बचाव दल अपना काम कर रहे हैं और प्रभावित खदान में फंसे अन्य कर्मचारियों तक पहुंचने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मारे गए कर्मचारियों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये और घायलों को 3-3 लाख रुपये दिए जाएंगे। कोयला खदान के मालिक कुर्बान जोगेजई ने कहा कि यह हादसा मीथेन गैस विस्फोट के कारण हुआ है। उन्होंने बताया कि घटना के समय खदान के अंदर 42 मजदूर काम कर रहे थे। उन्होंने पुष्टि की कि फंसे हुए सभी लोग खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले के निवासी थे। पुलिस के अनुसार, गुरुवार को ही एक अलग घटना में बलोचिस्तान के हरनाई जिले में कोयला खदान दुर्घटना में एक मजदूर की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, बलोचिस्तान और सिंध प्रांत में कोयला खदान दुर्घटनाएं आम हैं। इसकी वजह अपर्याप्त सुरक्षा उपाय और खराब कामकाजी परिस्थितियां है। इससे पहले सिंध के थट्टा जिले में मेटिंग रेलवे स्टेशन के पास एक कोयला खदान के अंदर दीवार ढहने से चार मजदूरों की मौत हो गई थी। यह दुर्घटना थट्टा के कोहिस्तानी बेल्ट में इब्राहिम कोल माइंस में हुई थी।

पाकिस्तान के ब्रॉड पीक पर हिमस्खलन, नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा समेत 10 लापता

काठमांडू : नेपाल के प्रसिद्ध पर्वतारोही निर्मल पुर्जा (निम्स दाई) पाकिस्तान के ब्रॉड पीक पर भीषण हिमस्खलन के बाद लापता बताए जा रहे पर्वतारोहियों के समूह में शामिल हैं। पाकिस्तान अल्पाइन क्लब के अनुसार, गुरुवार दोपहर काराकोरम पर्वत श्रृंखला में स्थित 8,047 मीटर ऊंचे ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहा एक दल हिमस्खलन की चपेट में आ गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इसके बाद 10 पर्वतारोहियों से संपर्क टूट गया है। इस दल में पांच नेपाली पर्वतारोही सहित पाकिस्तान, ओमान, चीन और अमेरिका के पर्वतारोही शामिल हैं, जिनमें विश्वप्रसिद्ध नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा भी हैं। निर्मल पुर्जा ने वर्ष 2019 में महज 6 महीने और 6 दिन के रिकॉर्ड समय में दुनिया की 8,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली सभी 14 चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की थी। पाकिस्तान अल्पाइन क्लब ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकारी अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर तलाशी एवं बचाव अभियान को तेज किया जा रहा है। क्लब के अनुसार, मौसम और परिचालन की परिस्थितियां अनुकूल होते ही हेलीकॉप्टर सहित सभी उपलब्ध बचाव संसाधनों को अभियान में लगाया जाएगा।

नेपाल के सुनसरी में हिंसा से मधेश प्रदेश के कई जिलों में तनाव, राजविराज में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाया गया

काठमांडू : नेपाल के सुनसरी के देवानगंज में हुई हिंसा से मधेश प्रदेश के अन्य जिलों में तनाव व्याप्त है। इसके मद्देनजर जिला प्रशासन कार्यालय सप्तरी ने राजविराज क्षेत्र में भी अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है। इससे पहले गुरुवार रात 10 बजे से बोदेबरसाइन क्षेत्र में कर्फ्यू लगाया गया था। जिला सुरक्षा समिति के निर्णय पर शुक्रवार सुबह 8 बजे से राजविराज क्षेत्र में भी अगले आदेश तक कर्फ्यू लगाया गया है। मुख्य जिला अधिकारी श्यामकृष्ण थापा ने कहा कि कर्फ्यू अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। कर्फ्यू का उल्लंघन करने के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने आम नागरिकों से शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। उधर, बोदेबरसाइन नगरपालिका क्षेत्र में गुरुवार रात 10 बजे से ही अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू है। नेपाली सेना गश्त कर रही है। सप्तरी में गुरुवार को प्रदर्शन के बाद प्रशासन चौकस है।

लखनऊ-वाराणसी हाइवे पर टूरिस्ट क्रूजर खंभे से टकराई, 12 घायल

सुलतानपुर : उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में शुक्रवार सुबह लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मदनपुर पनियार के पास एक टूरिस्ट क्रूजर का टायर पंचर होने से वह अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। इस हादसे में वाहन में सवार 12 यात्री घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी वाराणसी से अयोध्या दर्शन करने जा रहे थे। वाराणसी से अयोध्या जा रही टूरिस्ट क्रूजर (वढ 65 ऋछ 6079) का पिछला टायर फट गया, जिससे वाहन चालक का नियंत्रण खो गया और गाड़ी सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि क्रूजर में बैठे अधिकांश यात्रियों को सिर, हाथ-पैर और चेहरे पर चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही एनएचएआई एम्बुलेंस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लंभुआ में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल चार यात्रियों - पुदधूलाल (65), बलराम, कल्लू और बतीसिया को बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। ये सभी मध्य प्रदेश के निवासी हैं। अन्य घायलों में जगराम (49,) केनकड़ा करेली, एमपी, नुखिया बाई, लखन मसकोले, बाती झरिया, रजनी, सकुन, कुटुलाल, दिव्या झारिया (मोहगांव सिवनी, एमपी) और चालक साहिद (धमरिया लोहता, वाराणसी) शामिल हैं। शेष घायलों का इलाज सीएचसी लंभुआ में जारी है। हादसे की सूचना पर एडिशनल एसपी, एसडीएम सीओ ऋतिक कपूर, नायब तहसीलदार और कोतवाली प्रभारी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। अपर पुलिस अधीक्षक वृज नारायण सिंह ने शुक्रवार को बताया कि क्रूजर गाड़ी वाराणसी से अयोध्या जा रही थी, जिसमें मध्य प्रदेश के शिवनी के कुछ लोग सवार थे। कुल 15 लोगों के बैठने की सूचना है। कुल 12 लोगों को सीएचसी लंभुआ भेजा गया था, जिनमें से 5 को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उन्होंने किसी भी यात्री की मृत्यु की सूचना से इनकार किया और बताया कि सभी का इलाज चल रहा है तथा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

आस्था का केंद्र देवकली मंदिर,जहां विराजमान है महाकालेश्वर शिवलिंग

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में शहर से करीब चार किलोमीटर दक्षिण यमुना तट के बीहड़ क्षेत्र में स्थित प्राचीन देवकली मंदिर अपनी धार्मिक मान्यताओं और जनश्रुतियों के कारण श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। सावन के महीने में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान महाकालेश्वर का जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। मंदिर के पुजारी शिव ने मंदिर से जुड़े प्राचीन इतिहास और लोककथाओं की जानकारी दी। पुजारी के अनुसार प्राचीन समय में इस स्थान को देवगढ़ के नाम से जाना जाता था। जनश्रुति है कि राजा कृष्णदेव ने यहां यमुना तट पर एक किला और भगवान महाकालेश्वर का मंदिर बनवाकर शिवलिंग की स्थापना कराई थी। बाद में समय के साथ किला नष्ट हो गया और क्षेत्र वीरान हो गया। लोकमान्यता के अनुसार कई पीढ़ियों बाद राजा विशोक देव का विवाह कन्नौज के राजा जयचंद की बहन देवकला से हुआ। संतान प्राप्ति की कामना लेकर लौटते समय दोनों इसी स्थान पर रुके और यहीं नया महल बनाने का निर्णय लिया। महल की नींव खोदते समय बीच आंगन में एक प्राचीन शिवलिंग मिला, जिसे हटाया नहीं जा सका। इसके बाद महारानी देवकला को माता मंगला काली ने स्वप्न एवं दिव्य दर्शन देकर बताया कि यह स्वयं महाकालेश्वर हैं। इसके बाद राजा विशोक देव ने उसी स्थान पर भव्य शिव मंदिर बनवाने का निर्णय लिया।

पुजारी ने बताया कि मंदिर निर्माण पूरा होने से पहले महारानी देवकला का निधन हो गया। उनकी स्मृति में राजा ने मंदिर का नाम 'देवकली मंदिर' रख दिया। तभी से यहां भगवान महाकालेश्वर की पूजा-अर्चना होती चली आ रही है। मंदिर से जुड़ी एक अन्य जनश्रुति में शेरशाह सूरी द्वारा मंदिर पर आक्रमण और एक गुंबद क्षतिग्रस्त होने का भी उल्लेख मिलता है। हालांकि इन घटनाओं के ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन स्थानीय लोगों में यह कथा आज भी प्रचलित है। सावन के प्रत्येक सोमवार को देवकली मंदिर में विशाल मेला लगता है, जहां औरैया सहित आसपास के जिलों से हजारों श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। मंदिर के पुजारी शिव का कहना है कि यह सिद्धपीठ धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है और इसके इतिहास पर अभी और शोध की आवश्यकता है।

मध्य प्रदेश के इंदौर-उज्जैन संभाग में अगले 48 घंटे भारी बारिश की चेतावनी, आज 12 जिलों में अलर्ट

भोपाल : मध्य प्रदेश में सक्रिय तीन मजबूत मानसूनी सिस्टम के असर से प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में बारिश का दौर तेज हो गया है। अगले 48 घंटे तक मालवा-निमाड़ क्षेत्र, विशेषकर इंदौर और उज्जैन संभाग में भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। आज शुक्रवार को 12 जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर समेत कई शहरों में भी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर और धार में अति भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। वहीं नीमच, आगर-मालवा, उज्जैन, देवास, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर और छिंदवाड़ा में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, खंडवा, मंदसौर, शाजापुर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में गरज-चमक के साथ बारिश का पूवार्नुमान है। गुरुवार को भी भोपाल, उज्जैन, रतलाम, हरदा और खरगोन सहित कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के चलते सारणी स्थित सतपुड़ा बांध के सात गेट इस मानसून सीजन में पहली बार खोलने पड़े।

अब तक 15 फीसदी कम बारिश

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक औसतन 14.7 इंच (373.3 मिमी) बारिश दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि तक 17.2 इंच (438.3 मिमी) वर्षा होनी चाहिए थी। यानी राज्य में अब भी करीब 15 प्रतिशत वर्षा की कमी बनी हुई है। प्रदेश के 47 जिलों में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। वहीं भोपाल, भिंड, बुरहानपुर, देवास, इंदौर, मंदसौर, राजगढ़ और सीहोर ऐसे जिले हैं, जहां औसत से अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इनमें देवास में सबसे अधिक 29 प्रतिशत अतिरिक्त बारिश दर्ज की गई है।

बिहार पुलिस परीक्षा में नकल कराने के आरोप में एक सिपाही और दो होमगार्ड समेत आठ गिरफ्तार

एजेंसी

सारण (बिहार) : सारण पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग की 29 जुलाई को आयोजित गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग में अधिनायक अनुदेशक पद की लिखित परीक्षा में में नकल कराने वाले समूह का पदार्फाश किया है। पुलिस और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी की सतर्कता से परीक्षा केंद्र के भीतर और बाहर सक्रिय समूह के आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में दो अभ्यर्थी, एक सिपाही और दो होमगार्ड जवान भी शामिल हैं। मुफस्सिल थानांतर्गत आदर्श जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नैनी केंद्र पर प्रवेश के दौरान फ्रिस्किंग सघन चेकिंग के दौरान दो परीक्षार्थियों विश्वजीत कुमार शर्मा वैशाली एवं अमित कुमार भोजपुर के पास से संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक ब्लूटूथ डिवाइस बरामद हुआ है। पुलिस पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि केंद्र के बाहर मौजूद उनके सहयोगी वॉकी-टॉकी के जरिए उत्तर पुस्तिका का हल उपलब्ध कराने वाले थे। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने परीक्षार्थियों की निशानदेही पर केंद्र के बाहर घेराबंदी कर छह अन्य सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से एक ब्लूटूथ डिवाइस, एक वॉकी-टॉकी सेट, दो चार्जर, बैटरी, नौ मोबाइल, एक कार, दो आधार कार्ड एवं दो प्रवेश पत्र जब्त किए गए। इस संदर्भ में मुफस्सिल थाना में मामला दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता, बिहार लोक परीक्षा अधिनियम 2024 एवं आईटी एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।किसकी क्या भूमिकाः पुलिस के अनुसार गिरोह में शामिल सिपाही परीक्षा प्रणाली की कमियों का फायदा उठाकर अभ्यर्थियों को नकल सामग्री और सॉल्वर उपलब्ध कराता था। होमगार्ड परीक्षा केंद्रों के आसपास की गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लीक करने में मदद करते थे। गिरोह के बाकी छह सदस्य अभ्यर्थियों को ढूंढने, पैसों का लेनदेन संभालने और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स (जैसे ब्लूटूथ डिवाइस) की व्यवस्था करने का काम करते थे।

लगातार वर्षा से ग्रामीण जनजीवन पर असर

एजेंसी

कोलकाता : बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के प्रभाव से हो रही लगातार मूसलाधार वर्षा ने पश्चिम मेदिनीपुर और झाड़ग्राम जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया है। एक ओर पश्चिम मेदिनीपुर के सबंग क्षेत्र में केलेघाई नदी का जलस्तर बढ़ने से लकड़ी का पुल टूटने के कगार पर पहुंच गया है, वहीं दूसरी ओर झाड़ग्राम जिले के गोपीबल्लभपुर में लगातार बारिश के कारण कच्चा मकान ढहने से कई मवेशियों की मौत हो गई। दोनों घटनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में बरसात के दौरान बुनियादी ढांचे और आवास व्यवस्था की कमजोर स्थिति को उजागर कर दिया है। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सबंग स्थित लांगलकाटा क्षेत्र में केलेघाई नदी उफान पर है। तेज धारा के साथ बड़ी मात्रा में बहकर आई जलकुंभी लकड़ी के पुल में फंस गई है, जिससे पुल पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। यह पुल पश्चिम और पूर्व मेदिनीपुर के बीच संपर्क का प्रमुख माध्यम है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुल क्षतिग्रस्त हुआ तो सबंग के विष्णुपुर ग्राम पंचायत क्षेत्र के कई गांवों का संपर्क पूर्व मेदिनीपुर से पूरी तरह कट सकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण प्रशासन की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं नदी में उतर गए। बांस की सहायता से तेज बहाव के बीच पुल के नीचे जमा जलकुंभी हटाने का कार्य लगातार किया जा रहा है, ताकि पुल को टूटने से बचाया जा सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल स्थायी समाधान तथा लकड़ी के पुल के स्थान पर कंक्रीट का पुल बनाने की मांग की है। उधर झाड़ग्राम जिले के गोपीबल्लभपुर-दो विकासखंड के कुलियाना ग्राम पंचायत अंतर्गत गुरुवार को पाटाजानिया गांव में लगातार बारिश के कारण एक कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। घटना के समय परिवार के सदस्य किसी तरह सुरक्षित बाहर निकल आए, लेकिन मकान के मलबे में दबकर एक गाय, तीन सूअर तथा कई बत्तख और मुर्गियों की मौत हो गई। इससे प्रभावित परिवार की आजीविका पर भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। घटना की सूचना मिलने पर गुरुवार देर शाम भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय मंडल अध्यक्ष तापस सुई मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवार से मुलाकात कर हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र सर्वेक्षण कर वास्तविक क्षति का आकलन करने, मुआवजा प्रदान करने, राहत सामग्री उपलब्ध कराने तथा पात्र परिवारों को आवास योजना के अंतर्गत पक्का घर देने की मांग की।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव (सकारात्मक) संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। चिप स्टॉक्स में आई तेजी की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त रिकवरी करने में सफल रहे। चिप स्टॉक्स ने पिछले एक साल से अधिक के समय में सबसे बड़ी इंट्रा-डे मजबूती हासिल की, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक तेजी के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 121.48 अंक यानी 1.66 प्रतिशत उछल कर 7,437.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 681.81 अंक यानी 2.79 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,124.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 212.75 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,420.81 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई बिकवाली की वजह से मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,897.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,485.64 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 151.55 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,612.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

मप्रः मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज स्व-सहायता समूहों को वितरित करेंगे 300 करोड़ रुपये के ऋण

– झाबुआ को देंगे विकास कार्यों की सौगात, प्राकृतिक खेती करने वाले उन्नत किसानों से करेंगे संवाद

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को झाबुआ जिले के थांदला में शासकीय महाविद्यालय ग्राउंड में आयोजित प्रदेश स्तरीय ₹स्व-सहायता समूहों का क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण₹ कार्यक्रम में प्रदेश के स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 300 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्राकृतिक खेती करने वाले उन्नत किसानों से संवाद भी करेंगे, साथ ही 174.64 करोड़ रुपये के 29 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और 109.17 करोड़ रुपये के 28 विकास एवं आधारभूत संरचना कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा विभिन्न विभागों की योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण करेंगे और मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती करने वाले उन्नत कृषकों से संवाद के दौरान उनके अनुभव जानेंगे तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं प्रयासों पर चर्चा भी करेंगे। साथ ही जिले के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के 215 स्व-सहायता समूहों को 10.8 करोड़ का ऋण वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ₹आजीविका मेला" प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे।

बिजली बिल बकाया, चार्जिंग बंद, बेस्ट की ई-बस सेवा प्रभावित

मुंबई : निजी ऑपरेटरों द्वारा बिजली बिल का समय पर भुगतान नहीं किए जाने से बेस्ट की ई-बसों की चार्जिंग व्यवस्था प्रभावित हुई है। आरोप है कि अदानी पावर कंपनी ने बकाया बिल के चलते मझास डिपो, गोराई डिपो समेत कुछ अन्य डिपो की बिजली आपूर्ति बंद कर दी। इससे कई इलेक्ट्रिक बसों की चार्जिंग नहीं हो सकी और बसें समय पर सड़कों पर नहीं उतर पाईं। बसों की कमी के कारण हजारों यात्रियों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। कई यात्रियों को वैकल्पिक परिवहन का सहारा लेना पड़ रहा है। यह मुद्दा बेस्ट समिति के सदस्य व भाजपा प्रवक्ता अजय सिंह ने समिति की अध्यक्ष तृष्णा विश्वासराव को भेजे गए पॉइंट ऑफ ऑर्डर के माध्यम से उठाया है। उन्होंने इस पूरे मामले की तत्काल जांच कर दोषी निजी ऑपरेटर के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। सिंह के अनुसार निजी ऑपरेटरों को किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी न हो, इसके लिए बेस्ट प्रशासन हर महीने की सात तारीख से पहले उनके देयक की 80 प्रतिशत राशि का नियमित भुगतान करता है। बावजूद इसके संबंधित ऑपरेटर बिजली बिल का भुगतान समय पर नहीं करता है और उसके कारण चार्जिंग व्यवस्था बाधित होती है, तो इसका सीधा नुकसान यात्रियों व बेस्ट सेवा को उठाना पड़ता है।

शुरूआती कारोबार में सपाट स्तर पर शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार में मामूली उतार-चढ़ाव के साथ सपाट स्तर पर बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक पहले 20 मिनट में ही गिर कर लाल निशान में पहुंच गए। हालांकि खरीदारों ने थोड़ी देर बाद ही लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांकों ने वापस हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.03 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस और जियो फाइनेंशियल के शेयर 6.64 प्रतिशत से लेकर 1.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजी और टेक महिंद्रा के शेयर 2.92 प्रतिशत से लेकर 1.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,685 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,907 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 778 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 14 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 70.51 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 77,998.66 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में 77,809.93 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होता हुआ नजर आने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 22.87 अंक की मजबूती के साथ 77,951.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 44.30 अंक यानी 0.18 प्रतिशत उछल कर 24,361.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 60 अंक से अधिक टूट कर लाल निशान में 24,299.70 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 19.80 अंक की मजबूती के साथ 24,336.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 273.55 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,928.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 66.95 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,317.15 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

विधायक ने नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

नीलांबर-पीतांबरपुर (पलामू): नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में गुरुवार को पांकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता ने प्रखंड एवं अंचल के सभी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं लंबित मामलों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

विधायक डॉ. मेहता ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। विधायक ने लंबित योजनाओं को शीघ्र पूरा करने, जन शिकायतों का समयबद्ध निष्पादन करने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर जोर दिया। साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास एवं प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

पाकुड़ पुलिस की गांजा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 420 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

पाकुड़ : जिले में सदर प्रखंड के तिलभीट्टा गांव में नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने गांजे के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है, जबकि अन्य लोग फरार हो गए, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। उक्त जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव ने पत्रकार सम्मेलन में दी।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि तिलभीट्टा गांव में अफसर शेख एवं गुलाब शेख की दुकान में गांजा एवं ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री हो रही है। सूचना पर एसपी ने एसडीपीओ के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया। दल में शामिल पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने अफसर शेख की दुकान में छापेमारी की तो 107 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दुकानदार अफसर शेख को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि गुलाब शेख नाम के व्यक्ति की दुकान में भी गांजा की खरीद बिक्री हो रही है।

दल में शामिल पुलिस अधिकारियों ने गुलाब शेख की दुकान से 313 ग्राम गांजा बरामद किया। कार्रवाई के दौरान गुलाब एवं उसके अन्य साथी फरार हो गए। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार अफसर शेख के खिलाफ मुफस्सिल थाने में कांड संख्या 102/26 एवं एनडीपीएस की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार अफसर शेख को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि गुलाब शेख सहित उसके दूसरे साथियों की गिरफ्तारी को लेकर संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। एसडीपीओ ने बताया कि गांजा कहां से लाकर बेचता था और इस गिरोह में कौन-कौन लोग शामिल हैं? इसकी जांच की जा रही है। एसडीपीओ ने जिले के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अवैध रूप से कहीं भी नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री की जानकारी मिले तो पुलिस को सूचना दें, उनका नाम गुप्त रखा जायेगा। साथ ही सूचना देने वालों को पुलिस इनाम भी देगी। छापेमारी दल में एसडीपीओ के अलावा थाना प्रभारी मुफस्सिल गौरव कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अंशु कुमार, रामदुलार सिंह दलबल शामिल रहे।

जुगसलाई में पार्षद ने किया कैच द रेन कार्यक्रम

जमशेदपुर : जुगसलाई नगर परिषद के वार्ड 19 में कैच द रेन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पार्षद नेहा सिंह के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान लोगों को मानसून के मौसम में जल संरक्षण और बीमारियों की रोकथाम का उपाय स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और जुगसलाई नगर परिषद के विशेषज्ञ ने बताया। महिलाओं को वर्षा जल संचयन अपनाने, कूलर-टायर-गमलों में पानी जमा न करने और स्रोत पर कचरा पृथक्करण की विधि बताई गई। इसमें स्वच्छता विशेषज्ञ अमृता साक्षी, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर चंद्रालता जैन, सुनीता शर्मा, कुसुम देवी एवं अन्य ने भाग लिया।

गुरुनानक कॉलेज में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

धनबाद : गुरुनानक कॉलेज के भूदा परिसर में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई-1 एवं 2 की ओर से वन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम हीलिंग द अर्थ थ्रू ग्रीनर इनिशिएटिव्स रखी गई थी। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की प्राचार्य डॉ रंजना दास के नेतृत्व में हुआ, जिसमें शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल, सचिव सरदार मंजीत सिंह सलूजा, पूर्व प्राचार्य प्रो. पी शेखर, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, एनएसएस स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर परिसर में नारियल, आम, कटहल, अमरूद, नीम और नींबू के पौधे लगाए गए। प्राचार्य डॉ रंजना दास ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण मानव अस्तित्व की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने पौधरोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण पर भी जोर देते हुए प्रत्येक नागरिक से पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने कहा कि बढ़ते औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में अधिक से अधिक पौधक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। पूर्व प्राचार्य प्रो. पी शेखर और सचिव सरदार मंजीत सिंह सलूजा ने भी पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया।

कुमारी माया यादव बनीं पलामू जिला राजीव गांधी विचार समिति के महिला पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की अध्यक्ष

15 दिनों में जिला कमेटी गठित करने का निर्देश; सामाजिक न्याय और राजीव गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : राजीव गांधी के विचारों, नीतियों और कार्यक्रमों को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने तथा सामाजिक न्याय की आवाज को मजबूत करने की दिशा में पलामू जिला राजीव गांधी विचार समिति ने महत्वपूर्ण संगठनात्मक पहल की है। कुमारी माया यादव को पलामू जिला राजीव गांधी विचार समिति के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

झारखंड प्रदेश राजीव गांधी विचार समिति के अध्यक्ष हृदयानंद मिश्र, एडवोकेट ने कुमारी माया यादव को मनोनयन पत्र प्रदान करते हुए नई जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने के साथ-साथ लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने, पंचायती राज को सशक्त बनाने, युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी देने और तकनीक को जनकल्याण से जोड़ने का दूरदर्शी कार्य किया।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का विचार केवल इतिहास का विषय नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के निर्माण की निरंतर प्रेरणा है। आज आवश्यकता है कि उनके विचारों को गांव, पंचायत और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

हृदयानंद मिश्र ने कुमारी माया यादव को निर्देश दिया कि 15 दिनों के भीतर पलामू जिला पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की कमेटी का गठन कर उसकी सूची कार्यालय को समर्पित करें। उन्होंने कहा कि कमेटी में सामाजिक रूप से सक्रिय, ऊर्जावान और प्रतिबद्ध लोगों को स्थान देते हुए संगठन को प्रखंड एवं पंचायत स्तर तक विस्तार दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संगठन का लक्ष्य केवल पदों का विस्तार नहीं, बल्कि विचारों का विस्तार और जनसरोकारों से संगठन का जुड़ाव होना चाहिए। पिछड़े वर्ग के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तीकरण के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए युवाओं और महिलाओं को भी संगठन से जोड़ने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाएगा।

नवनियुक्त अध्यक्ष कुमारी माया यादव ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ निभाएंगी। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के विचारों और उनकी दूरदर्शी नीतियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ पिछड़े वर्ग के लोगों की समस्याओं को संगठनात्मक मंच पर मजबूती से उठाना उनकी प्राथमिकता होगी।

कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कुमारी माया यादव को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ संगठन को नई ऊर्जा देगा, सामाजिक न्याय के सवालों को मजबूती से उठाएगा और पलामू में राजीव गांधी विचार समिति को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाएगा।

इस अवसर पर पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव जतरु उरांव, पलामू जिला कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के अध्यक्ष अमित पांडेय, एडवोकेट, पलामू जिला कांग्रेस स्वास्थ्य विभाग के चेयरमैन विनोद पाठक उर्फ सीटू पाठक, वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री श्रीमती सुमन तिर्की, सुनीता खलखो, रीना कुजूर, श्रीमती माया कुमारी, एडवोकेट, अशोक सिंह, एडवोकेट, राजकुमार, एडवोकेट तथा श्रीमती पूनम दुबे, एडवोकेट सहित अनेक नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित होकर कुमारी माया यादव को बधाई प्रेषित किया।

उपस्थित नेताओं ने कहा कि राजीव गांधी के सपनों का भारत तभी मजबूत होगा, जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और लोकतंत्र में हर वर्ग की समान भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कुमारी माया यादव के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएगा और संगठनात्मक गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाकर नए आयाम स्थापित करेगा।

कल सजेगी 'एक सुरमई शाम' दर्शकों के लिए प्रवेश रहेगा निशुल्क

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : शहर के संगीत प्रेमियों के लिए शनिवार की शाम यादगार बनने जा रही है। गुलशन म्यूजिकल ग्रुप के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल हॉल (टाउन हॉल), मेदिनीनगर में भव्य सांस्कृतिक एवं संगीत कार्यक्रम ₹एक सुरमई शाम₹ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में दर्शकों के लिए प्रवेश पूर्णतः निशुल्क रहेगा।

आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में स्थानीय एवं बाहर से आने वाले कलाकार अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को सुरों की दुनिया में ले जाएंगे।मंच पर डॉ. अनवर आलम,डॉ. सुशील पांडे,अशफाक अहमद, असफर रब्बानी,महेश जी, झलक-2026 की विजेता, अलीमा अंजुम,नौशाबा खातून,श्वेता पांडे तथा अमर सहाय अपनी प्रस्तुति देंगे।

इसके अलावा डॉ.अनवर निजाम,राजू सहित कई अन्य कलाकार भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।बाहर से आने वाले अनुभवी साजिंदे अपनी शानदार वादन संगत से इस संगीत संध्या को और अधिक आकर्षक बनाएंगे।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य मेदिनीनगर एवं आसपास के क्षेत्र की संगीत प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।कार्यक्रम में फिल्मी,सुगम,गजल तथा अन्य लोकप्रिय गीतों की रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी।

गुलशन म्यूजिकल ग्रुप ने आयोजकों नें मेदिनीनगर एवं आसपास के संगीत प्रेमियों से अपील की है कि वे अपने परिवार एवं मित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस सुरमई शाम का हिस्सा बनें और कलाकारों का उत्साहवर्धन करें।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में बीना मानवी ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई

बिनय मिश्रा

बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में तेज प्रताप यादव की पार्टी कि वरीय नेत्री बीना मानवी भले ही नामांकन रद्द हो जाने के फल स्वरुप चुनाव नहीं लड़ पायी किंतु निरंतर क्षेत्र का परिभ्रमण बे वाक बातो से अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रही एक और जहां नामांकन के दिन उनकी गिरफ्तारी के पश्चात उन्होंने उसी दिन जन स्वराज पार्टी के प्रत्याशी प्रशांत किशोर को जिताने की अपील की और उनके पक्ष में खुलकर सामने आयी और उनके नामांकन रद्द होने के पश्चात उनकी पार्टी तथा पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने प्रशांत किशोर का खुलकर समर्थन किया और प्रशांत किशोर की स्थिति को काफी मजबूत भी बनाया प्रशांत किशोर के लिए बीना मानवी का अथक प्रयास भी काफी सराहनीय रहा उन्होंने प्रशांत किशोर को योग कर्मठ प्रत्याशी बताते हुए बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को प्रशांत किशोर के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया जो काफी कारगर और सफल भीरहा प्रशांत किशोर ने बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन 13 जुलाई को किया 30 जुलाई को मतदान संपन्न हुआ 3 अगस्त को चुनाव परिणाम आने हैं

और प्रशांत किशोर के समर्थक और उन्हें समर्थन देने वाले अभी से काफी हर्षित है क्योंकि इस बार सब को यह एहसास हो चला है कि इस बार बांकीपुर का किला ध्वस्त हो चला है है तथा प्रशांत किशोर के पक्ष में हवा बह रहा है जिसमें बीना मानवी की भी सराहनीय योगदान और अथक प्रयास शामिल है।

धोखाधड़ी से गायब किया गया 124 केवीए डीजी जनरेटर बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

मेट्रो रेज

इटकी : धोखाधड़ी कर गायब किए गए 124 केवीए डीजी जनरेटर को इटकी पुलिस ने पलामू जिले के पांकी क्षेत्र से बरामद कर लिया है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के मरूंगड़ा निवासी सूरज महली तथा इटकी के कोयरी टोला निवासी सुजीत कुमार महतो शामिल हैं।

इस संबंध में 26 जुलाई को रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कोर्ट सराय रोड निवासी आकाश

अग्रवाल ने इटकी थाना में धोखाधड़ी कर 124 केवीए डीजी जनरेटर गायब किए जाने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ग्रामीण एसपी के मार्गदर्शन में डीएसपी बेड़ो के नेतृत्व में इटकी थाना प्रभारी शिव नारायण तिवारी, एसआई समित दास, एएसआई किरण बारला तथा अन्य पुलिसकर्मियों की विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी कर सुजीत कुमार महतो को इटकी के कोयरी टोला से तथा सूरज महली को ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के मरूंगड़ा से गिरफ्तार किया। सूरज महली की निशानदेही पर पलामू के पांकी क्षेत्र से चोरी किया गया डीजी जनरेटर बरामद कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई को आरोपियों ने मोबाइल फोन के माध्यम से आकाश अग्रवाल से तीन दिनों के लिए डीजी जनरेटर बुक कराया था। बाद में वे लगातार समय बढ़ाते रहे और अंततः अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। संदेह होने पर जनरेटर मालिक इटकी पहुंचे और खोजबीन की, लेकिन जनरेटर का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने इटकी थाना में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया।

ड्यूटी से गायब रहने वाले बीसीसीएल कर्मियों पर होगी कार्रवाई

धनबाद : बीसीसीएल में हाजिरी बनाकर ड्यूटी से गायब रहने की शिकायत पर सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने सख्ती का संकेत दिया है। निदेशक तकनीक (प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग) की अगुवाई में पांच सदस्यीय टीम गठित की है, जो कार्यस्थाल का औचक निरीक्षण करेगी। हाजिरी बनाकर गायब रहने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कमेटी में निदेशक तकनीक के साथ-साथ अरिंदम मुस्तफी, जीएम समन्वय, एसके बेहरा, एचओडी, अभिषेक मिश्रा, एचओडी, पीआर, हरे कृष्ण साहू, सीनियर मैनेजर एवं गौर सचान मैनेजर को शामिल किया गया है।जारी पत्र के अनुसार कार्य अवधि के दौरान टीम औचक निरीक्षण करेगी। बिना सूचना या हाजिरी बनाने के बाद अनुपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों के खिलाफ टीम रिपोर्ट करेगी। अनुपस्थिति संबंधी साक्ष्य के आधार पर सर्विस रूल के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। इससे संबंधित आदेश सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

खनिज संपदा से महिला उद्यमिता तक : झारखंड की नई आर्थिक पहचान

हृदयानंद मिश्र

झारखंड की पहचान लंबे समय से खनिज संपदा, घने जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों से होती रही है। देश के औद्योगिक विकास में इस राज्य की धरती के नीचे छिपे खनिजों का योगदान निर्विवाद है। लेकिन किसी राज्य की वास्तविक समृद्धि केवल इस बात से तय नहीं होती कि उसकी धरती के भीतर क्या छिपा है, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि उसके लोगों के हाथों में मौजूद हुनर, श्रम और प्रतिभा को कितने बड़े आर्थिक अवसर में बदला जा सकता है। इसी बदलती सोच का संकेत झारखंड में शुरू हुआ झारखंड इनक्यूबेटर प्रोग्राम देता है। ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह द्वारा रांची में इस राज्यव्यापी कार्यक्रम का शुभारंभ केवल एक सरकारी योजना का उद्घाटन नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को महिला उद्यमिता के माध्यम से नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है।

इसके साथ ठाकुरगंगटी-मंडरो क्षेत्र के बुनकरों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए ह्यसखी सिल्कह्ल के डिजिटल मंच का शुभारंभ इस पहल को और व्यापक अर्थ प्रदान करता है। यह उस झारखंड की तस्वीर प्रस्तुत करता है जो अपनी आर्थिक पहचान को केवल खनिजों तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि अपने स्थानीय कौशल, पारंपरिक शिल्प, महिला शक्ति और ग्रामीण उद्यमिता को भी विकास की मुख्यधारा में स्थापित करना चाहता है।

महिला को लाभार्थी नहीं, उद्यमी बनाने की जरूरत

झारखंड में स्वयं सहायता समूहों का विस्तार ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक शक्ति का प्रमाण है। बचत और ऋण से शुरू हुई यह यात्रा अब उत्पादन, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, हथकरघा और विभिन्न ग्रामीण व्यवसायों तक पहुंच चुकी है।

अब अगला कदम इन महिलाओं को केवल आजीविका कमाने वाली सदस्य मानने के बजाय स्वतंत्र उद्यमी के रूप में स्थापित करना है। यही इस इनक्यूबेटर कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है।

प्रथम चरण में 150 महिला-नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों को तीन वर्षों तक व्यवसाय मूल्यांकन, प्रशिक्षण, मेंटरिंग, प्रमाणन, वित्तीय एवं बाजार संबंधी सहयोग, डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स, ब्रांडिंग और व्यवसाय विस्तार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क का तकनीकी सहयोग इस कार्यक्रम को विशेष महत्व देता है। ग्रामीण महिलाओं के पास हुनर और उत्पाद तो अक्सर होते हैं, लेकिन बाजार की समझ, आधुनिक पैकेजिंग, ब्रांडिंग, डिजिटल तकनीक, गुणवत्ता प्रमाणन और बड़े बाजार तक पहुंच का अभाव उनके विस्तार में बाधा बनता है। इनक्यूबेशन मॉडल इस खाई को पाट सकता है।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने जिस लक्ष्य की ओर संकेत किया है–झारखंड को केवल खनिजों के लिए नहीं, बल्कि नवाचार, महिला उद्यमिता और सफल ग्रामीण उद्यमों के लिए भी देश में पहचान दिलाना–उसे एक दीर्घकालिक आर्थिक नीति का स्वरूप देने की आवश्यकता है।

150 उद्यम शुरूआत हैं, मंजिल नहीं

इस कार्यक्रम के तहत 150 उद्यमों का चयन निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे अंतिम उपलब्धि नहीं माना जाना चाहिए। इसकी वास्तविक सफलता तब होगी, जब इन 150 उद्यमों से ऐसे सफल मॉडल तैयार हों जिन्हें पूरे राज्य में हजारों और फिर लाखों महिलाओं तक पहुंचाया जा सके।

खरछढर से जुड़े 1.54 लाख से अधिक उद्यमों को चरणबद्ध तरीके से बेहतर बाजार, तकनीक, प्रशिक्षण और वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराने की परिकल्पना इसलिए महत्वपूर्ण है कि इससे एक व्यापक ग्रामीण उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो सकता है।

हमें यह समझना होगा कि उद्यमिता का अर्थ केवल ऋण उपलब्ध करा देना नहीं है। किसी छोटे ग्रामीण व्यवसाय को सफल और टिकाऊ बनाने के लिए पूंजी के साथ कौशल, डिजाइन, तकनीक, गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, डिजिटल भुगतान, लेखांकन, बाजार की जानकारी और उपभोक्ता तक सीधी पहुंच आवश्यक है।

यदि गांव की महिला स्वयं उत्पाद बनाए, स्वयं उसकी ब्रांडिंग समझे, डिजिटल माध्यम से ग्राहक तक पहुंचे और अपने व्यवसाय का वित्तीय प्रबंधन कर सके, तभी आत्मनिर्भरता का वास्तविक अर्थ सामने आएगा।

सखी सिल्क में सिर्फ रेशम नहीं, पहचान का सवाल भी है

इस पहल का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है–सखी सिल्क।

ठाकुरगंगटी, मंडरो और आसपास के क्षेत्रों के भगैया सिल्क बुनकरों की मेहनत लंबे समय से उस पहचान की हकदार रही है, जो उन्हें अब तक पूरी तरह नहीं मिल सकी। भगैया सिल्क को अक्सर भागलपुर सिल्क की व्यापक बाजार पहचान के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है, जबकि इसके वास्तविक बुनकर झारखंड के गोड्डा, दुमका और आसपास के क्षेत्रों में अपनी पीढ़ियों पुरानी परंपरा को जीवित रखे हुए हैं।

यह केवल व्यापारिक पहचान का विषय नहीं है। यह श्रम, भूगोल, संस्कृति और स्थानीय अस्मिता के सम्मान का प्रश्न भी है।

जीआई टैग ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा किया है। लेकिन जीआई टैग मिल जाना अपने आप में मंजिल नहीं है। असली चुनौती यह है कि उस भौगोलिक पहचान को बाजार में आर्थिक मूल्य कैसे मिले।

यहीं ह्यसखी सिल्कह्ल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

यदि एफपीओ के माध्यम से बुनकरों के उत्पादों का संग्रह किया जाए, गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, आधुनिक डिजाइन और पैकेजिंग विकसित की जाए तथा ह्यसखी सिल्कह्ल के नाम से एक मजबूत ब्रांड बनाया जाए, तो भगैया सिल्क को देश के बड़े बाजारों तक पहुंचाया जा सकता है।

पलाश और आदिवा जैसे बाजार मंचों के माध्यम से इसे बाजार उपलब्ध कराने की पहल स्वागतयोग्य है। इसके साथ ई-कॉमर्स, फैशन संस्थानों, डिजाइनरों, निर्यातकों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से भी मजबूत संबंध विकसित करने की जरूरत होगी।

किसी उत्पाद की असली सफलता तब है, जब उसे बनाने वाले व्यक्ति की आय और सामाजिक पहचान दोनों बढ़ें।

स्वयं सहायता समूह से ब्रांड तक

झारखंड के विकास की अगली कहानी केवल स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ाने से नहीं लिखी जाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि समूहों से ब्रांड और व्यवसाय निकलें।